

३.
क्ष.
०

[illegible]

अविधिप्रचक्रभा। एवमेवमिवठ
 मभुंवेभेठडिसालिनभा॥ यमेवमेव
 भायीयेथयेविनमिवठमःमिवसु
 दुपसुदुपसुअउंठकेवमभवेसम
 एमालिनंमभमनंउउमडिदि
 उठलककुलकुलडिउंठकएनंउमे
 ठडिमभकुगवसपुषिउमिवठपु
 कठमठडिभउडिभपेनउमठिउमि
 ववेसमभयठवभडडियवउ। एव
 मेवेउनेममिउमलेकिरुमंम
 जयडि। नएयउउडमिनमवसुदि
 पुनएथपुभापंएयएथसुपुंमि

नियडकरमेवपुषडेठडिसालिन
 भुवथयेमेवनिगकरंमचकरंमि
 मन्मपंमिवदुसुपुंमचमभु
 गडि। मउएवकविधिप्रचक्रभिडि
 विधीयउडडि। विधिदिदृष्टानमिप्र
 चःकरंयउउमकडमचविधीनं
 महुमिउडममहुमिउसुपुंभुदुप
 यडठवउ। उउमभवेसपेनवपु
 डिठपुममनपुभापमभुउ। यवेउं
 मीप्रचमसे। नमउविदिउंकिडि
 मिडमि। मकिडिमिउकसेडमि
 गीउसुपिमभएवेसुडमिकंएनए

३.
 टी.
 ३

३५

पाठं प्रक सविभक्तमनुपाठं प्रण
 कवनामिभवे महुली उं ड डि भू पात्र
 उवेवे के जी ॥ ० ॥ सुद्धमभठवमुक्ति
 मया धानयुव पिभवा, लेकय इरले
 रगा इलिउ विव प्रभरः ॥ केभके सुव
 मभा इ ए विठवमुक्ति मया धानेन यु
 वमभुडे ए उम फे एः प्रक के पिमं
 लेकय इये वर ए म लेक सुव फ र प्र
 लु र उये गगा उ प र ग म उ के उ दे नि
 पलिउ नि ए र प्रक र सु च भरे विमु
 य ड र, न उ व सु व उ न ठ डि मया धाने
 न नि उ उ रु नी रु उ उ उ य म म उ रु

३.
 टी.
 ३

सुप्रलिप्रभर उय महु उं पलिउ मि
 वरु सुभानेन उ लु नै भन ग प्र रु य
 डि, सुधि उ विने क क म र म म म हु र
 भव प्रभु डि, उय लेक सुव फ र म भ
 डि उ य के य म य सु न डि, प्र च ले के उ
 म उ प म ठ व रु व मु जी डि न म रु
 उ भवे डि क म भियं सु इ म ये डि मी वि
 सु व उ ए व प्र भु रः, व ये उ अ उ र ए
 ने रु डः ॥ ३ ॥ ल व रु इ म रु ठ डि
 म डं उ रु र व भिन भा, म हु र ले क म
 ने पि सु उ ये व वि रु भु य ॥ ये म भा
 व म भ य प्र म सु ठ डि यु ज म उ व ल

४७

७.
ए.
२

द्विभभमयभुनं, कर्मभंभननरु
 यन्नेभभतः भिदुति यतःभकमिति
 भभवेसमभु, नकषभभेठव
 मयभेवभचंडवनतुभभभा॥ ॥
 एयतिठकिपीप्रभभभवरवेरुः
 सुद्वितीय सुपिभरुद्वितीय सुपि
 भूठे॥ ठकिपीप्रभभभवर
 उरुभंभनं उनेरुउरुयतेएयति
 भवेरुवेवते, कीरुम सुद्विती
 य सुभयार सुतुप सुपिद्विती
 यः इभेवद्वितीयमुल्लुपेयेभभा
 सुभमद्वितीय सुपिठकिभभवे

मेन उत भठम भानु उभेव द्वितीयः
 भुते उत परिमीलिते यथा, उवा कुत म
 पि सवितीय विम्व ठमिनः, सविती
 य सुक सं इवितीय भुवितीय सुक
 सभवितीय उति विरेय सुय ॥ ॥ च
 नत नम भिरे सुन य उ उ विमति उ, उ
 सुसा एव ये भानु ठत नम र भभुतः ॥
 ठत नम र भः सभवे सल म भु भु भु
 नभुत भु सु मयः सुता एव उ सुसा उ
 उ परि मिड नम भ भु उ सु प भु प भ
 उ प भु व उ उ ए न ति ये किय र विदुः
 भविदु ना फि उ उ उ व ॥ ॥ इभेव उ

३.
 टी.
 ५

सभच भु भव सु इति ग गव न उति
 भु ठव भि सुं सु रु जिं ए न ह्ये ह्ये नः ॥
 भव भु व म उ ने भु क य लः व भु उ भु
 भेव मि सु ये भु भु उ उ उ भु य इति
 भुतः भि सु रु जिः केवलं भ भवे सय
 कु य मि उं ए न ति उ ह्ये उ भवे ह्ये
 ए व उ उ ए व नि ये ग लि ए ॥ ॥ न
 भवे ह्ये क ये के न न सु ये ये क क भि उः
 वे ह्ये व म क भं के ठ भु भि रु जैः भु म नः ॥
 सुत सु य उ व भु यं भवे वे ह्ये प स भे क
 भु न भ भु उ उ प भु के व ले न भु र भि
 रु जैः भु नः भं भ र भं प न्ति धि वे ह्ये व म

२४

कभंदिठेभ्रिडंशपेनरुसुमे मभा
 वेमरुधुपिवभिडेदिभउउमडे: ठे
 वठेयुतुपे मभाभवउभंभ्रिउडि
 नीहभिवभयभेवविभ्रभीहडे, वेह्रुवि
 ल'पनभ्रय'भह्रुम'भय'भसशः, उरु
 जंसीधचम'भे भेदे'पय'भन'य'भभि
 डि॥ ॥ म्रनड'नरु'भर'भी'मेवी'ध्रिय
 उभायम, म्रवियुज'भ्रिउउरु'मे'क'डु
 जि'र'भु'भ॥ उध'भ'मे'धे'कु'पर'भ'स'भ'
 भु'भ'स'भु' ठ'जि'प'मे'मे'वी'ह्रु'उ'भ'न'न'
 क'ड'ल'क'डु'वि'र'दि'ड, म्र'प'र'ड'की'ड
 दि'सी'ल'प'र'व'स'जि: म्र'दं'ठ'कु'म्र'वि'य
 क: भ्र'भि'डि

३.
 ८१.
 ५

वजहेभभवियुज'भ्रु'डि'ठ'जि'भ्रु'डि
 भ्रु'भ'भ'भ'र: भ्रु'कु'भि'ड:॥ ॥ भ'चा
 वठ'व'ल'ठ'फ'उ'ठ'जि'भ'उं'वि'ठ, भं'वि
 म्र'ने'य'भ'क्र'र'रु: य'भ'मे'दे'भ्रि'य'भ्रि'ड:॥
 ह्रा'ए'उ'भ्र'भ्रु'डि, म'लि'न'भ'यं'क्र'र'
 रु: य'भ'मे'दे'रु'थ'ल'कि'डे'ले'क'य: भं'वि
 म्र'ने'नी'ल'पी'ड'कि'रे'य'तु'थ: थ'तु: भ्रि'
 उ: भ'चा'व'ड'डु'भ्रि'फ'उ: वे'ह्रु'भे'प'न'
 नि'भ'ह्रु'न'र'भे'प'र'भ'वे'म'क'डु'भिल'
 ठ'ज॥ ॥ ठ'व'रु'कु'भ'ड'भ्र'म'डे'य
 भ्रु'भ्र'डु'ग'धिय, म'स'भ'भं'भ्रु'डि'भ्र'
 भिव'भ'वे'भ्र'व'मु'ज'ड॥ के'भ्र'भिन'

४९

उमिगुदउमपुमावेण
देनूदम॥

लिनी, इमुडिभययभिजउमुभारु
दलभुम॥ अलंभरकुभिः इभविभ
गडंभमुडुमिभुभरः उमुभेठकुनम
भारवमुंभयीउंउरुइरुपडिलरु
लंढलंयभुः॥ ॥मिरेकुडयएउ
डिठजेडुडेडिकुसुउ, उभेवफिवधः
भरंठजेरकुयमेपिउभा॥ मिरेकुड
मिरेयएमिडियरुभयेप्रमुउ, उर
मेरुपउपरमिवउडियेभउउ, उभं
भडिमेदेमिवीठवठवकुएभन
उउयपउः, सुसुपुपमिवभभवेम
ठडिमल्लेवयएनंएनगीडिउइरुभ

उ.
ली.
३

मनेनैवमयेनकडुमेवयउःभरभ
इभंरधःभुपुं, सुसुयेनठरुमकुम
कुमउमडिनमेपिउंनिरुलीरुउंठ
ऊमिडि॥ ॥रुजनंठवमकुउमिकु
कनेयपउयः, उरुमिकुनिरुभुनंरु
निरवरुनिर॥ ह्राएउनंठज
नंठवमकुयभयनयकःनयऊयः
यउभरुमीरुभल्लुपिमिवकु
यउभल्लुनिरुभयिउभुठवमिभुय
मिवसुपुपमिडिंविननकनमिडुमि
डियुहु, रुजनंभयनवेवपदवभ
डि, निरुभुनंउठरुभयनंउरुमि

२

कुमिव सुयभायन ठ वयक निन
 वर निती कु उभयुत भूट पिमभ
 वेसर भवि भूमे धन ठि सुत मसंगे
 भान निभे फरु कुर थ उयि रु हव ॥ ॥
 कम मिडु पिल हे भिये गे न ती सव
 पुन, सुहृष भव क ह भठ भिठ
 डिभडं क सभा ॥ कम मिडु भुं मिडु
 भापि रुसा यं कु पि रु मय मरु मे ये
 गेन मिड व डि निरि येन, रं स भु भिव
 मिडं ल ह ड डे भ व पुन, सुहृष भभा
 पिडु ड न सु ठि भड भु क ह भु क सं ठ डि
 भडं भु क सभा ॥ ॥ भूट फरु सु सं भु

भु विमि मे भि भ क न य भ, ये गि हे ठ डि
 ठ रं य सु ड न पि स भ भ दि डः ॥ विम
 ये ह ड वि य लं भूट व इ नि य भ नं भू
 ड फरः सु मि स क सु न य र ल म
 य सु र सं भु भू क म डि डः, उ वि भू हे ये
 गि हे भ क न भ भ वि वि मे भे डि स ये ठ
 डि ठ र भ भि, य मे ड ये ये ये क य सु ड
 न ठि भ डे पि स भ ये स भ भ दि डः, भ ह
 व सु भ ने ये भ भि डि गी डे क नी ह नि ह य
 क ॥ ॥ न ये गे न ड ये न न र मः के पि
 भू ली ये ड, सु भ ये मि व भ ने भि ठ डि
 र क भू स भु ड ॥ मि व भ ने थ र स भु डे थ

३.
 टी.
 ७

२२

ममिदिदिनिगडिमयेभुवठवैकभ
 दिरेभायीयनियडयेगदुपयपमि
 धलीनकममिदुपमिमुते, उभुभा
 यभयडेननुउभमभुएयभुइभु
 मुविदुभुकमडिमयिदुपयडये
 गण। ठडिरेवभुडिठभुभमनडेउ
 मगीभुममुते/उपयडेनेमुते॥ ॥
 भवेडेविलभमुडिडेएभुभुव/उभु
 म, भुइकभचठवभुमिनुनभपि
 नमुउ॥ मुतुडिदिमुविलभडएभु
 भनेनठडिडेएभमभभवेसभुक
 मेनभुभुमुव/डिगएडिदभु ॥

३.
 ए.
 ००

उतावभायीयदुभिविभुतेःभुइक
 ठेगवभुभुभुवसयुइ, मुनेमनभा
 इगीमगीकुडभुचठवयभु, उभुभभ
 मिनुयविकल्पउभुनभभुठिया
 नभपिनमुउ, निरेभेवभाकडुउप
 रठेगवभुभुभुविभुइयभभित
 कः॥ ॥मिवडेकमभुमुएइकगु
 डिभुउःभम, भमभुविभयभुभेठे
 भुवभुभुकेभुदे॥ उकेभुवठेभुभेभ
 कभुकमभयनिएभुभुपभभभ
 इमिवडेकेभभभुःभमभुभुभु
 भुदेभुभुभुभु उभुमभभुभुभु

२३

कश्चिद्विषयश्चपराभान्नदृष्टिप्रसयिद
 इमश्चविषयश्चमेलगान्नदृष्टमम
 दृष्टःकेपिश्चान्नवभिष्टेभिः, अकृ
 म, सद्गलकले विषयेष्टिद्वगुवाति
 निममश्चविषयश्चामडडिविरेयसु
 य॥ ॥ मातृकल्लेलमीडमुभ
 दृष्टति, अयश्चुपे, अलेकिरुमश्च
 मश्चुःकेनभगष्ट॥ मातृनिव
 डविकल्मभयःकल्लेलयड, उमातु
 उमंभगडथा^{पद}अल्लडमीड, विस्वभ
 डिविभुसूयडमसुनिस्सलेचनम
 विकभिडदुमेठडुभाडमभुडु

३.
 टी.
 ००

लेकिरुमश्चममवेसमभदुग्मु
 यिनडिधुडिश्चभुःडुडुमगलनकेन
 भगष्ट॥ उमाष्टडिगिड, अकृष्टमिम
 धुधुडिठभाडा, आयश्चुडनकिष्टि
 दृष्टयतीडुमिडेवेडिः॥ ॥ भाम्
 मेःकिंमसुडठवमुडिभदिभयिः।
 उमासीठगवट्टुभाभेष्टिचडुगेमः
 भाम्मेडुडि, उडुल्लुभादमीष्टलेकि
 कीठवमुडिरेवकीधुधुमडनदिभ
 यिःकिंमसुड, किंविमसुड, वि
 मगल^७अष्टुड उडियवज कीदमी
 यश्चसुमव^७भगभज्ञनडुगभवली

३

वमुकुपिउउउवदिउउममुव ७३
 कः॥ ॥डाएवधममुउउमभमःम
 मुगीमय उमुउउमभमुगविमुमु
 परिधिभिकः॥ ममुउउमलिठि
 भुएवेडि,मभमउउमभवेसमभयभ
 भमुयःपउकेवलममुउउ,नमुलिभा
 मुः,कीमुयेयभुमुउउमभमुगेठ
 वमुभवेसभउमभमुउविमुभंमु
 श्रीकउंभमुउउ,मउमभियभंठेगपि
 भिकएवमचभमभमिउगीयाउउ
 उउउउउउपममुनिः॥ ॥उउमुउ
 भुयभभमुःकिभमुपलकिउः,येन
 गमिधेमुभं

मलिभाभदिभाउव
 नपिभाभदिभाउव
 भुपिःभुपिःभुपिः
 वमिउउमभुमिउउ

३.
 टी.
 ०९

निधुउपडिउमुपि॥ उमुउउभण
 यमुभवेगवमुउउउउःकिभपि
 लेकेउउउयेपमभीयेलकिउःपरि
 मीलिउःयेउउमुउउमगीउउवका
 नउगीयकउउयउउगउउभकि
 उमेपडिउमुपिनलिधुउउउयीठ
 वउउउउमपडिउउलिधुउउउ
 मुदभ॥ ॥मलिभमिभुभेउउ
 उउउउउउउउउउउउउउउउउउ
 उउउउउउउउउउउउउउउउउउ
 उउउउउउउउउउउउउउउउउउ
 उउउउउउउउउउउउउउउउउउ
 उउउउउउउउउउउउउउउउउउ

२५

सुशीरुडडु विष्णुसुभरुमिभम
 सुपेडुडेन सुगीमिभरुविष्णुवि
 सुभरुवरुणसुभरुप, कथमेसप
 सुडुडनिएडुभनभपिडुडेकड
 केवंसपिमिभसुदभरुवरुणसुभरु
 अडिडयडुविष्णुपलडिडेमभपि
 सुडुडयमविष्णुभयडुभडावरुवडु
 पायेडुडुभा, एवंविष्णुपेडुपिभूय
 नभसुसुपभरु, संविष्णुययेडि, ए
 डुमेवकिभंविष्णुयडु, यडुडुडेनमि
 डुमेवविष्णुविष्णुडुभा॥ ॥ विष्णु
 नभरुडुगडुलेथसुमिवनमे,

३.
 टी.
 ०२

भकनलपडुडेविष्णुविष्णुमः॥
 डुडेभकनलपडुभरुभरुवडुयेन
 मः कीमनयविष्णुसुभरुमेविष्णु
 डुपसुभरुविष्णुमकडुवडुभरुडुडे
 रमेमः संभुभरुभरुयमवलेथनं संभु
 रभंकरुएपिभरुडुडेनं डुनसु
 मिभरुभरुयडुपंवनमेभरुयेयडुडे
 सुभसुमिवभरुविष्णुमिडुः भरुडु
 डुभभरुयेविष्णुभरुभरुभय, सुमि
 नभेडेभरुविष्णुभरुभरुविष्णुडेन
 डुडीभरुभरुडे सुभरुडुगभ
 भिष्णुभरुभरुभरुभरुभरुभरुभरु

३

गेयसुयपि ॥ ॥ परमभयउभाकु
 यमीउल यमिवये, कर्ममिद्विष
 मंभेधविधभायनभेभुते ॥ मिरनन
 पनड्डुगभाभउभाकुभा कवडा
 पनड्डुमीउलड्डुभा मयसुसुसभा
 ड्डुमीउलड्डुड्डिविगेयठभसुय
 कर्ममिमिड्डुलेकिरुसुपय ॥ ॥
 भकमेवयसुयसड्डुयमिवये
 भकसुययधनभः कर्ममिड्डुभु
 ये ॥ मवः भभूमिडीरुथगेविसेड्डु
 ड्डुमलिउय विणिगीधुमेधववक
 गभुवड्डुः ड्डुभनः भवसुभेड्डुगड्डु

५३

३.
 टी.
 ०१

वसुमीहतेः डीरुड्डुड्डुगभमभक
 न ड्डुमीनभपिभनमिडेड्डु
 ड्डु विषुभुमिड्डुगेयन सुव ॥ सु
 रुड्डुः प्रलकडा परभमभयड्डु
 ड्डुभुड्डुः ॥ ॥ नभेनिड्डुड्डुः मेधईले
 ड्डुविगलड्डुभा वभेकविधभायपि
 भड्डुल यमिवये ॥ निड्डुड्डुभाएड्डु
 लड्डु ॥ ड्डुल ड्डुड्डुड्डुड्डुमः रुड्डु
 यविः मेधंठवठवड्डुठवलड्डु ॥ ड्डु
 लेहं ड्डुभुविनीगेय नलेमीथिनी
 सुड्डुगभभगड्डुयवभड्डुड्डुयेव
 भकसुड्डुड्डुभुडेविधभाय ड्डुड्डुएड्डु

५४

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 भमभुनंलक ॥ नभठिष्टुननंम
 उमपिगभकेडुनभमभरुगभुनमी
 नं

येयेगेः मभुवः भावययेयेयेये
 भीयेलकः कृमयकभीकः, मभ
 भुमिउविभः येवउडूडिउड
 उ। यडावकः मिमिडिमंविडिव
 उय भुवविभुवः ययेडिभुवडि॥ ॥
 वेमगभविभुवः येमगभविभुवः
 वे, वेमगभभउडूयगुडूयभुभवे
 नमः॥ निःमेभनियभयडूयेन
 लडूडूवेमविभुवः, यमयडिभुवः
 भकभंउडिगेउउभमभउडूयः मित्र
 यभुभउडूहगडिभुपयिभुवेमं
 विपडेवेमउडूभुउडूभउडूयभु, य

डावभवभुविषयकुरुः॥ ॥
 संभारैकनिमिडयसंभारैकविरेपि
 ने नमःसंभारुपायनिःसंभारयस
 भवे॥ भयःमिडुसंभारै
 कसवनिमिडुसंभारैपि संफड, भा
 वडसंभारुपायठडि, नभनमि
 रूपमिवहडिगिडं, संभारुपायं
 किडिडुग, एवमपिसंभारविभूतंनि :
 संभारंतेन संभारुपायमभुपायमिडि
 विरेपठमः॥ ॥ भलयमभय
 गुयभलमभुपाय, की७गुम
 एभलयनमःभलयसभवे॥ विम
 भुकर

उ.
 टी.
 ०७

डकुपडाडिभुतिभुनडभुभलेभ
 सुभगुंम, यमपायडुलमिपुभुम
 युगपमपिभुभनडविमपुपडग
 नमभुभुभुभलमिडिडिडिभु
 डैकपुपडग, सुडावभवभंफडु
 लः विरेपठमःभुगुग॥ ॥ नमः
 भुनडभभुविथकःभनभुभु,
 यभुभभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 ड॥ यभुभनभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 डिलेकेडुगःभलविभुतिभुभुभुभु
 गभेःपविथकभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 फयेगिगभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु

७०

३.
ली.
०३

रकथपरेउनिमयैःभरु, व्रीउउउउह
 भकस्यमिन्नययकथानिने॥ कथ
 लिउउउंयमुगवडिभूमिउउउउउउ
 नडि, मरमरकरएडुभभुवरउ
 धयेपरेउः पंमिन्नयभुपभिडः
 भूभुभुभिन्नमनिल्लीरडुमपिधरे
 डः उधंनिमयैःभरुयगपसुव्रीउ
 ड, उउंयेएनविधेएनवेमिडुभरु
 भुविधायिने, मिन्नययमिडुभभरु
 यकथानिने, निःसंभकथानपुऊय
 भिसेभीकुडविभुपगिल्लभः॥ ॥भय
 विनेविभुडुयगुऊयभूकएडुने, भूकए
 विभुपुय

नभस्त्रिरयसभुवे॥ ठेनेल्लभफेउः
 भूउडुमकिन्नययभुभिभमिडुभ
 इडिभुडुः भयवीमहएलीकसं
 विभुडुडडिविधेपठभः, एवभहउ
 गुडुःभवभुगेमरःभूकएःभूकम
 पनभूडुभुपः भूकएनमिनि
 भूउडुल्लहः विभुपुयःभूउडुभुनी
 उविभुकरः, भूउएवमिडेविमिडुभ
 सुदभुपसु॥ ॥इडेभुविभुनिहम
 एगडुंकरकेलये, सुसुदकरणीय
 यनभेभुभवसऊये॥ इडेभुविभुठिः
 भूभुपिभुडिभुडिकरैःकसभपि

निच फिउड सुविदुमं मभवं एण
 उभुभवेः भवदुभा सुभंकरः श्री
 उभंयं यथा उपव सुदुरुणीयः
 भवमजिउरुमीनं भुकरुष्टुमी
 यमलिनीरुठवठवभापुमिउड
 उ, भवमभकयउय सुभैतमः ॥ ॥
 उएभुवपरिउरुत्तुव सुभुविउयः
 यभुउभैतमभुठुभगणकरभिउ
 वे ॥ ॥ ॥ उएभुवभउभुठुमभुठु
 भिकमिठुनेभुमिठुमभुभगण
 उठुभिमभुपरिउरुत्तुः पवनरुभ
 लभुविदुपामिठुउसुभाः,

रुउसुभाः कुरुकमिभुयउरुउरु
 सुपउभेयमः उभुयभिरुतः भग
 नभमन सुभुमिभुभुउडिठुमभ
 ऐलिभामिकः, सगणकरभिउवेऽ
 उपरिउरुत्तुभुयभदेसुभभुय
 मभुभुगयउएभुवठुभुति, उउमैति
 रुठुभुवति, येउउविभमभुभुभु
 कनिच डिभुमभुउभभुउती डिउप
 रुठुये सुनडि ॥ ॥ भयभयएण
 उठुपठुभभुमिभुभुति, सुलेधाय
 नमः मभुमउपठुयमैठिने ॥ भय
 मिठुयठुएडिः भैवभुठुउठुपंयभु

३.
 टी.
 ०७

एगउभुमेवभादुःपद्मेपनःकम
 मभुमप्रापिवभितेपिहपकडउ
 कुभुवेउपि, मुलेपायसुमिमिकु
 पाय, मभुवेवसउपडभनउमडि
 लं, उडइइमविकमभनकंकभलंउ
 भनमः पदुमभुवेधलेपउठग
 वउभिमभुवेउमभंभनमिडिविरे
 पाठमः॥ ॥भदुलपविइयनि
 पयेकुभुवे, प्रिययपभभुयम
 वेडुभुयेउमभः॥ भदुलेइमिभुभं
 भवेडुभुयेडिभचइयेहभा, येनयेन
 भुयेनविमदउउनेडभंभवेडुभु

३.
 टी.
 १०

इडा॥ ॥नमःभउउवकुचनिरुभि
 मुडिठगिन, वडभेकविनीनयक
 भेमिमपिमभुवे॥ ठगवडाववकु
 भुडुपउयवगभउमडुभा, वभुउ
 भुमिभुनडुनीनडभा विरेपाठमः
 भवेमेवभुडइपि॥ ॥उपकभ
 कभभभिमभुवेउवडिएगइये, उडुम
 वडिडीययनभेनिरुभापभिते॥
 उडुपडुपकभनीयपभभडे, उड
 वडिडिविउउएगइये, ठवठवडिठ
 वडुनि मुडिडीययभभभलेकु
 पाय, निरुभापभितेमुनकपनये

धर्मयउभाय/उहमेवमः॥ ॥३॥
 क्षिण्णमग्गमग्गयवममग्गठिल
 भिल्ल, भवमग्गयमग्गयनिरमग्ग
 यउमः॥ ॥३॥ क्षिण्णमग्गठिलवउउम
 विथगीउउधुउममग्गःभग्गउउठि
 भउयउ वममग्गवमिउउविथगीउ
 उममग्गठिलमिउयमुग्ग, भवमुमग्ग
 निःधग्गिभग्गयउ निधुउउम
 गयमग्ग, मुमग्गउउधुउउउमि
 हेनिधुउउयमुग्ग, मग्गमग्गीभग्गम
 गग्गमग्गमिउउ, यउउउमग्गमग्ग
 उउउउउधुउयमः॥ यमउमग्गिः
 ५६

यउउउधुउमिउः, यधिवग्गिधिवग्गि
 भग्गवमुग्गमग्गिउ॥ यनयनधुग्ग
 उउयउउमिउउउउमग्गउउ, उउ
 भग्गवउविमुउिउधुउमग्गयमे
 नैवमिउउउविमग्गिउउउउम, य
 उउउउनिधमग्गमग्ग यमग्गमः
 यमग्गउउधुउयमिउि॥ ॥३॥ भग्ग
 एनभग्गयमग्गमग्गधुग्गि, न
 भग्गिउउलवउवग्गयवग्गयउ॥
 भग्गकनंभग्गउउधुउउउमग्गि
 जेवमभग्गउउउयउ निदउउभग्गि
 उउमग्गय, भग्गमग्गउउमग्गनंभग्ग

पानं कलिं यकडे, विउडेकुतिः पर
भानक्यनेडन डिभु कली यडु मरः
मभ्रकः वरुय संवित्रे मल्लु मर भूमा
मभ्रकय ॥ ॥ विभ्रम निरुडन नम्र म
निडुगिड पीपल, हिलिक यन मभ्रुडे
मभिनै निडुपचले ॥ भ्रम हिलिक म
विम्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
नडु मभ्र डिडिः, निडुपचले मभ्र विम्र
भ्रक मभ्रु पाय पच भ्रले डडु मभ्र ये
गः, मभ्र मभ्र पचले पुन मभ्र मभ्र डिडि
उं निडुपिले कं रेडि ॥ ॥ मभ्र मभ्र मभ्र
वेडु मभ्र गैडु डडु मभ्र मभ्र, डडु मभ्र डडु मभ्र

३.
ली.
९९

८
गय मभ्रि व मय डन मः ॥ यम्रु डिडि
कं मं विम्र वी मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
नभ्र मभ्र विम्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
मभ्र गैडु मभ्र मभ्र विम्र मभ्र मभ्र
मभ्र मभ्र ठडु डडु मभ्र विम्र मभ्र मभ्र
डडु मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
मभ्र मभ्र ॥ ॥ मभ्र मभ्र मभ्र विम्र मभ्र
मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
कं मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र
मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र मभ्र

३.
ए.
३३

भद्रिभद्रभद्रभद्रभयंतवतुपंने
 भिडतिभ्रष्टा, भ्रष्टविभ्रष्टिभिभ्र
 ष्टा, मीतलंभंभ्राडपदवि
 डता, भ्रष्टविभ्रष्टिभिभ्रष्ट
 धिनपमिभलनक्रमिनभ्रष्टेभ्र
 ठगंभ्रष्टलीयं, पत्रभभ्राडभ्रष्ट
 रभान्भ्रष्टेभ्रष्टंभ्रष्टिभ्रष्ट
 उभ्रभ्राडभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्ट
 मिभ्रभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्ट
 नभ्रभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्ट
 नभ्रभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्ट
 भ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्टभ्रष्ट

पटभुइविधयेयसुभनंसाभुउनेने
डिहड, उरुथमैमकेयसुगभभुनेमि
यइविस्वसुदभयंउमैरुधुवनभने
धिमिइंनननुपंनभुव, उमैरुहए
डिभुडिथमनधरडग मिभुभुउंम
नभुवडुगडमगभभुभचभभुव
नडुभिडग, चयमथएभिउंमभ
नभविमिइनुपंमैडिमिइभा॥ ॥भ
चमहुमनिंभचलकीकुलनलं
उष, भचभहुलुकुल्यंभनंभक
सुगंभः॥भचभभभहुनंभुव
एभइमिभहुलीलडहुनंविमिइ

भंभगवीएकुडनंमिडयडिभनड
नभमनिंभुपुधुंभकभा, चलकी
नभनननुमसानंकलनलंभक
मककभा, भचभहुलुनभभुवभ
मकनंकल्यंउ निःमैभेनभसकं
भकसुगंभनंमडंभुभगंभः॥ ॥
एयमेवभेनभभुउभकलंविभुमि
मंडवगभुउभा, एगडंभरभभुव
वचभभकःसरगडंभिडभाभर
भकेभीडिमैकहुठिभनेनडुमय
मडिनुभेनविभुविठमनडडः॥
भगिवरुडः सुतावसरभभगडि

उ.
ली.
३२

युजंमैउडा, यडेविमभिमंतवसिउंमि
 मयकुपुपुभयं, उउमएगउंठव
 नेवपरममुरः बुकामिहः मममिव
 उहउडेभेउएव, केमेवकीठमिसी
 ल, एयमेककुठिभानमिमभुहुंशु
 ममभुपेपुषम नमेनमडिभू
 युमिडिमिवभा॥ ॥डिभव
 परिकारननधिसिगीयभुडेविव
 डिः॥ ७॥ ममभुनठवनंयुज
 यमिउयीभुडिः, उभल्लहुहुगी
 यभेनमभिरयमभवे॥ ठवनं
 भूमेयमीनंएकमडमिउपउयभू

३.
 ए.
 ७५

दूषंभाठवामिउपउयमडिउयपु
 भुडिडुज, यउभुठवठवनीयभ
 भमनीयभुभल्लहुहुडिउयभुगी
 यः ममभडुभहपमेसुडउहमि
 वहुहुयेवहपमेसुः भुउभुमे, मिह
 यमदयविमविमिहयममभुवेनम
 डिभूयुज॥ ॥भुभुगडिएनम
 भिउभुउडेएगएये, भुउडेभुभुउ
 भुयेउवेववणीविनः॥ एगउयंभू
 युज भुगडिएनमगीममिमेवडि
 एनउ भुए मठिविणे भुभुउउं
 भुभिमंकरगेमरं, भुभुमिउपभु

३.
ए.
३२

यश्चैतुःशुभ्रपविप्रविडः, माभवंशु
 च्चनीशुतःभाकःपरभेसुरः॥५५ः
 भवेभेयतुपःभूकमनमसायंशुभ्र
 ठिम्भैतुभगीमिठिःपरिप्रत्तडंभू
 पिउयश्च मिउंमुकुंशुभ्रलयडम्भ
 कुंभमवदेयेभमयडमिकल्दनेड
 मउभडयडडडउभडंउषभःभुने
 उमुपलकिउंमनिरयंयभयभ्रदलंभ
 नडिभुगीकुंरीडीडिभुचनीभभुवदि
 नीमिभुकिभैवभुभरभ्रपडडुउभु
 भ, माभवंभाकडुभ्रयदडःभाकैव
 उतःपरभवंसुरःभुलयाभ्रउभिल

रुवडयभृएउंरुमयभननभा. पूरु
 वीं विरुडीनं पउभकः भठएन
 भा॥ उऊअभूडिपहूलेजिः यशेडि
 कभूमिरेव, मुहुमयभुभूयमेव
 वडडिभूगुमुहुवमनंनेउभा हुमय
 भननंभभवेमेनैकं विरुडयेडय
 नऊभभमः यभूमलेकिरेमुगल्लहु
 मयभननंरुवडि, भावेरुभुविडुमी
 नं पउंनहूडडिमेभल्ल सुनडि॥ ॥
 कडल्लभममेकनंभवेधंभावकः
 ३. ८१. भभभा. रुवहुनभडप्रनिध
 १३ निधहुवभिव॥ रुवहुनंभभवेसुपुं

इमिउनमेवभाउप्रःभयवनिध
 निधहुवभमुहुउरुपभायविहूहु
 भीनंभभंयगपडभावकःभभभभ
 पभकः उमालेकिरेमुहुममी
 नभधिसभविधुभुफियगपभवेनि
 गियलं पभभननहूडिभयंएयउ, ए
 लप्रभुनिधेवडहुभीःभावयडि॥ ॥
 केवनभभूमउंभंभापभभुगनिहू
 येधभभूपिकेनेमननूपिविरुभुय,
 येधभभूपिकेनेमरेकमिनिभभूमि
 मुनेडनभुगडडयभूधिकममिरु
 धिनवियेगमुधंभापभभुगनिहू

धरभान्नप्रलकेवममानश्चद्रुवे
 वरुवतीहृः, एणीवउं सुगवियुज्ज
 सुभमभुपिपनेरुवति॥ ॥ गलभि
 वउरुहभिप्रलभमभनेरघः शुभी
 भमभयपिउंयं सुभहृउंमनः॥ सु
 डिठउरभान्नप्रलउंययभुक्तिः।
 सुहउंमनेडिमयेनप्रियाभउडिव
 कुमसहः सुवठवसंभिहृः, सुमया
 हउंमनेविमुगुभकडेनमीउभृह
 सवप्रहउं सुभीमभयपिउः मभा
 वेमेनभयभामिउभुउंगलभिभकग
 वभुवयभिनहभिहृहभुभरु

३.
 टी.
 १७

१४
 भवतेभायभुभहृठवप्रनभयं
 गइविमपंकवेभि, भमभभनेरघः
 प्रलनिगकडेभिहृउं हृः, वउ
 हउउमिहृउपभृहृठिहृनहिभय
 भुउभुवेसंभनडि॥ ॥ नहृहृहृरि
 ययइनहृयेगीविममयउ, हृनंभ
 हृउविमृकप्रलमिउंविहृभृउ॥
 उयविमभमभुभीयपिउंयइभुभि
 निभडि सुहृमिउंवेहृभहृरियहृ
 येगीहृमविमभंवित्रभियपिउभु
 मिहृडिगिउंभभनकिहृमपिठगी
 हृः हृयविमहृहृहृडियेएन...

उ३ प्रलं डेभुवेडक, कितुयहुनंभु३
 क्षिमेक्षेकप्रल कडिनेयपिभुदलि
 डी, प्रलं कंभमभमयद्वियमडि
 भुपुभेडहुनभिमियवग, यमेरुहु
 नंउमेवमिडंमिवभुकमपुपडंविदु
 भुउनहुग, यमगभः नयेगीवः वि
 यनहुउडुगुठदियभडिः भुमि
 उवभनमडिभदियेडठिणीयडि ०३
 मुल्लयनभनडनंरुः यनंभकमे
 वेड, कभुदुल यिडयेभंवमिमम
 भिवपुनिः॥ कभुदुल यिडउउने
 भिवपुनिमुववमः भवदुः यनहुउ

उडिपुनडि, उषमेमुडे, मुदकम
 की०उंनकमिडडुः भायीकगेडि
 उभुविरुडीः भवावलिनीविभुवि
 डि॥ ॥ उडमः प्ररुमेवेभियभमेभ
 विमेभिडः, डंभकप्ररुभमेकेनिः मे
 भप्ररुभमुयः॥ कविः प्ररुमेडभडि
 भुमिदुः भयभमेभे उवकेनठम
 भगविदुपिभुदुभुभुभुमविलव
 महेनपिभुनहुनभुपे विमेभि
 उः भभदमिडविमेभः उषमगभः
 वेभुदुभुभुडेविभुगिडि डंभकल
 मिभममिवपुनिः मेभप्ररुभमुय

3

३.
 ८१.
 ३.

उ.
ए.
३०

लं भूषमभसुभेउमभुमभलंकलि
 उत्रभकलिउमिदुपसुसुयः यमेउं
 पूरुठिह्लुयभा, गुरुगुरुकुरुठिच
 रुरुठः भुभाउगीडि, सुतावभकपु
 रुधेभफेसुगेभकमेववक्रकसुवभु
 रुधेवभुवउडुउ॥ ०५ ॥ ॥ एय
 डिउएगसुसुमभसुएगउंविठि, भं
 भगल्लवएवैधयेभं ड्रीडभकभरः॥
 एगसुसुउंमिवभभवेसपउडुउ
 एगउंविठिभभसुएयडि, येभंभं
 भगभभुदुएवैधडि, सुडिधेरेपिमि
 सुपउयल्लउपभभः भनड्रीडभ

कभरः कल्पः यथेकं । उडिवयभुभं
 विभिः श्रीकुडुन गिले एगड मथ
 सुविह मि॥ ७॥ सुभउं ड वरुह
 निमैह नीकठवहुधभा । उमेवपू
 कपीहुयः डनेनैवलहुउ ॥ सुहनि
 मेहनि सुभिभाभिपूकुठवहुधं
 भउउभभवेसपूषभानडुडुपु ॥
 भउएवडुमेवउनीयः उगविगकडुक
 पीहुयः डनेनैवकममिडुभविभुः पू
 उनीयेनयेतेलहुउ । उडेमपुप्रथी
 यहयेनमेह उरभभुवनेवनपि ०१
 भडुगेनपिउडपिएथकेभिउमेहः

३.
 टी.
 ३३

उडुनएथः डडभलयरिसभिभ
 मिउ ॥ भकमिउरपिएधुंमेवउउ
 रभपि, सुभभलयेगमिडियधु
 डिउवेपयिउभाक, भउः थउं ड वर
 मिउयः पिएथकेभियउ उउभमे
 कउएवेनमिमठमेनपरभउडेएथः
 प्रलकंविभसडेनिडेमिडेठवडीह
 कभलयरकमिडेगीसुदहउडेमि
 सभिकसयभि, उमुकहमुकमुकेधः
 सुसवकभलयरकलेसुगीपहुम
 भमुकभउभनभंकरपरभरभभ
 उयेधनः धनगवउभनयगहउभन

५

यथा ताव भवतु वन ह थ के पि कुं भया
 ह प्रमोद सु सु मे ठ भ भ ने पि न भू ह ठि
 ह्य मे ऽ डिया वडा १० ए ड ए ग डि मि
 मू थः किल वे ह धि वे म कः वि ड मि उ म
 ये र मि ड न भ वे ड मे ठ व न ॥ ए ग डि
 मि ह मि म म मि व व भ ने ए ड वे ह मि
 उ म मि ड मि मू थि वे म के ह थ क ह्य
 उ भ उः भ वे ड मे भी डि म भू वः १० म
 ल भ मू मि उ ग ह गिय म व भू ठः भू गः
 डी ड वि र मि य व म भू ह भू वे वि म
 थि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 भ भ वे म भू उ ड ए न व पि भू भू भी डि
 ह ड न

भ भ वे म वि व मे ठ व भी डि मि व भ ॥ ॥
 ड डि मी भू इ व हं भू य भू म म भू मि
 ह डी य भू इ वि व डिः ॥ ३ ॥ म थ ल म
 भिय म पि भान भ उ इ पि म्म भू मे य डे
 ठ ए मे म ग न भ धि म ग ल डि ड व
 न ग म भू धि क क ड भ ॥ ० ॥ म थ ल
 ह ड धि ठ ग व म्म ए ने न भू डे क मि उ म
 धि ह ड ड भ मि ठ म भ इ भ धि उ डे व
 यः भ व ह धि भू म ड ड भू ड ए व म
 न भ म धी ह भ भ भू डं ठ ग व डः भू म
 य डि म ग नं डू वि भू मी न भ धि
 म ग लं भ भ म्म यं डि ड व न ग मं वि म्म भू

३.
 टी.
 १२

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

भोडियवड ॥ ३ ॥ ठिसवमिवसभु

३.
३.
३.
३५

३.
ली.
३०

[illegible]

कसदुडग, यमेकं यमदुडगभयेली
 वडदुमि, ठेकैवठेगुठवेनममभव
 इमंभुडडदुडभा ॥ १ ॥ पमपदुडग
 रमंउवठेमिठुडपदुडभिडव/डिभुयडः
 कसमपिउभयडिउमठेठउमठउ
 वधुडयसुडभा ॥ उवठुनरियासुय
 भयभगीमिमर कभलसुयवमंकेमि
 मुडनिधुठमनपदुडभिडगगिडुपठे
 गानभमननसुगीठउधुयव/डिः
 भुडुपंयभुडभुयडः भुडनउमठ
 उभमयडि, केमिठुनः पवमाडि
 पउपविडिडः मठेठउंरगि।

३.
 टी.
 ३१

नमिडुपनउमठउवधुयभंनिरुभुडु
 उधुयसुडमिमननकपनंरभय
 डिमभठुवड केमिमिडुपकंकेमन
 पीडुडुंभुनडि ॥ १ ॥ नमविठुमि
 वठडिविठउयकममनमभाभाउ
 मिगु, भयमिमिठुउवठवेडुडि
 डेमिविविठुभुडउड ॥ केनभउ
 वविठ, पवः माडुः भुडेभाउमिगुप
 रभनकेपमिडविठुमिवठुभाउं
 यकममिठुभवठडिमभवेमनभु
 गडि, भयमिवलवठुडनभयकभु
 निडेमिडभुडडिविवठुभुडउंभ

२३

एतेभिः किमप्युच्यते, परिममभुं
 करणीयं न उच्यते इत्येतेऽहुः ॥ ३ ॥
 भवमप्यपरममभुनक्ति किमप्युच्यते
 यमिवेति मया, पूर्यते इति मया
 इत्येतेऽहुः इत्येतेऽहुः इत्येतेऽहुः ॥ अमि
 दुं भवमप्यपरममभुनक्ति किमप्युच्यते
 मया, भवमप्यपरममभुनक्ति किमप्युच्यते
 न भवमप्यपरममभुनक्ति किमप्युच्यते
 इत्येतेऽहुः इत्येतेऽहुः इत्येतेऽहुः ॥ ७ ॥ अमि
 एतेभिः किमप्युच्यते, परिममभुं

संलनवमेवमर भिहृद्मेमिउभवेभि
 नकिहृडा ॥ फेरुगवत्रकंभुल्लवत्रु
 हेनकेनमिडेमुयैवनिगपेदामजिध
 उपुहृनिणभनेविकुअरअमजित
 इनिधमंकगिडेवमुडिंलभिउः उकु
 संलनवमेवलेकवमेवमर भिहृद्मे
 हवफराभि इहृमेमिउंउमगीमिधरि
 मयभभुमिउंभभवेमात्रकिहृमव
 गमुभि ॥ ०० ॥ केपिमवहृमिउंअ
 उवकेएभुउंअठगठवउंअः उकु
 घाभुमनिनममाउकयेनउंधिभुठगी
 रुडभिउंअ ॥ फेरुवउंअकुअमिहृग

अनवेसमालिहृदयधंइंभीहमे
 वभाननभेधउडभभवेगगःथरि
 येधंभूभुःयद्वियेगकुविहृदभह
 सभंभुडिभूरुभीभहभेइवंभभेग
 ममंठलडि, वियेगकुविभहभेइव
 भिहृदलेकिहंभुगगभुभुडि
 येविमिभभभेकवतिडःमहूरडिम
 ड्मिभुमीरिडः, मवभुविमडिडिहग
 मयभुभुयंनवनवभुयेएनः॥ उएय
 डिभुयभभुलेभभुभुयभुनियडंमि
 वभुनिः यःममीवविभुडिभुडमय
 ड. भुभुभंभुविडिमभुडंभुभुभुभु
 भ

२२
 ०९

कठडिभडुहृमिडवरकउडभउडुहृ
 भुठगठवकेपिउडुलमननभेभु
 डुकिभपिहृभुड, यनउथीडिभभ
 वेसभभिवहृमयभुपिडुहृवेवभु
 मनिनभभुभुडकउवभभवेसम
 लिभुडभभभिवहृकषकलनभुहृ
 हृभुमयभुपिभिरंभुठगीलडःभ
 भवेसभुभिलभुडः यडुभभभु
 लभभवेमेवउडुडिहृः॥ ०० ॥ उडु
 भंडयिकयपिलीलयागगाभथरि
 येधभगडः, यद्वियेगकुविभहृभउ
 सभंभुडिःठलडिभहृभेइवंभभुभुभु
 थीहृउव

भुडः

उ.
 टी.
 ३७

उल्लयति येषु भाष्यमकुले निघडं
 उरुडु मभिद्रव सुनिगमि. यः आरु
 धरं सा भाउं मभुद्रवति सुनकरं संभ
 भुमुल यति. की मग भाउं मय अभा
 ककुड मिद्रु पभ मभुद्रु पभुद्रु मभुद्रुः म
 रभने सुगिडि येषां भाउं मय सुमी मभु
 भाः पुभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 भुवति. येषु विमिडि मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 भेकेन वतिडि मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 वनव भुय एतः भुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु

परिमभ भुभिविभुभिमं एगदिग
 लिडि विरले भन भेभलः. उरुधिन भि
 कवद्रु गे भुग नल कव एविभुद्रु
 नभद्रु पि॥ भुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 भुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 डिः. उरुं कुरु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 सुं परिमभ भुभिव. मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 नव कुं विभु विरु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 उय भुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 उय धिनिः मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु
 भुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु मभुद्रु

विभुद्रु

प्रकटदुग्धपुष्टयस्त्रिभुवंधुवंधुस
 त्रिभुवंधुनलपुत्रकृष्णविष्णु
 भक्तिमुक्तास्यतिप्रविष्णुनंभभ
 भवगधिनाभि, सुतेनभुविगतिउनि :
 सधर्ममिभंभुगंधुभिभवेध
 मयदेवपुत्रति, यमुते भवसकुतग
 नीनेहमिस्रीपुष्टिहृदयभा ॥॥॥
 चाडीतःमिबेहृयेयंविमिड विभुमु
 उडडिस्रीप्रवसाभे ॥ ०५॥ ॥भउड
 दुल्लरुवकुपयपुष्टिमुगविलेकनल
 लभमेडभः, किमपिउडुरुनभभन
 गिवशुभभियेनभभ ठिभापभुतिः

नानुउडुप
 निहृगः सिवः
 मिहृननुपनः
 परभाहृविगू
 नः, उड

३.
 टी.
 ३०

भउडुदुल्लेनिहंविहृभिउंयडुमुपक
 भलं, सैवीभापभिकिसुडडडिभुह
 दुहृमक्तिपुष्टिउभुयमुगंधुभुंधुप
 डवकंधुपमक्तिभभभभभयंसाभुवं
 पंडभुविलेकनंभभवेसभुइलल
 भंभाडिसय, ठिलभंमडेयभ, उभमे
 किमपिउडभभभुहभुपयभुमुनंभ
 नगिवकेलभभइलठरु, येनभभ
 ठिभापभुतिःभकुगभि ॥ ०७॥ ॥
 दुमविहृमभउडुपुगंधुकिंभापभिक
 भुविहृडिउमभभ, उमिकडवकम
 भभनभुकिंउपयभभेडिभनःपरिहृ
 उडभ

उ.
मु.
ली.
२७

परिमित्तु ०३ नकिलपसुति
भट्टभयंएनभुववप्रदुयमुधिभनी
भमः उरुपिभवविमसुितवकुलः
किमिमभगदिउंनसुलेधिमा॥ ७
यंतवह्नेकेममुधिभनीभमकुड
वभउंमिदुनंरप्रवपसुति, उषापि
पिउंभवविद्वचहः सुसुितवकुलेठ
ऊवकुले, उषवअयभवेमिउअद्वम
ऊनमनेपिमकिमिहगदिउभाऊमि
उंनसुलेधिमऊनंतवह्नेगितिभभा
गदिउंठउेविवसमिउअद्वमिउभा
इंउमदिउिप्रऊयउ ०७ भगभि

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

येन धर्मभूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 रमणिक भलपण्णे ॥ ३ ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 ऐषिव भिडुः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 कृष्णः ॥ उडार भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 धडुं ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 नंग ॥ विष्णु भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 नंयेन विष्णु भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 मभू ॥ १ ॥ ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 वभूये भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 भूयः ॥ भूयः ॥ ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 य, यडु भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥
 ठिल भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥ भूयः ॥

भूमिदृग
उ.
ली.
२५

30

७.

三

भयीयमिदुलीठवंनयेय कीमका
ठवडिभङ्गङ्गुडयठङ्गिःभवभमिग
भमःकमभुगीमभङ्गुभुनप्रतिडेभ
कष्टप्रिंलभिडः॥ ५ ॥ मिडकुट्टु
विविठेवभयंङ्गपियरभःविगडगड
डुलपभयीवाडिङ्गकगभ॥ मिडभ
वगल्लङ्गुडवभनसुयडकठेगडमि
ठिडुट्टुडभभुविङ्गंकभुंगिमिडिवक
भुगयंठुविडुभिकयंरभयंयडभेडि
भुङ्गिमीलिडभकगभभभवेम
नङ्गभयीविगडरेपनभुङ्गुलपेठव
डगभङ्गःभुङ्गुडुपंयभुभुङ्गुमीव

सुभवा

उरुवभक्तिरुद्रा नमः सधरवसत
मंभं सुवति ॥ ७ ॥ भुक्तुं सुवसं मे
कुरुमिह सुदुःखं पि, वदुःखं सुवसु
॥ ८ ॥ राहुवदुःखं पीठवमेभुते ॥ वगिमिमे
दुःखः कुरुमिह सुदुःखं पीठव न भुक्तं
मिमुदुःखं, भुक्तं भवतः भुक्तं नमी
न ॥ १० ॥ वगिमिह सुवसु पिउतं भुक्तं
नं भुक्तं सुमे, ठवदुःखं सुवसु भुक्तं भुक्तं
भुक्तं सुमीउलभा ॥ धाम सुवसु सुमीउल
मिह मिभु सुवसु ॥ १० ॥ सुदुःखं भुक्तं भुक्तं
य भुक्तं सुवसु मिभु नभा, के सुवसु भुक्तं
भुक्तं सुवसु सुमे भुक्तं ॥ सुदुःखं सुमे भुक्तं

३.
५.
२३

जेरुद्रा सुवसु भुक्तं भुक्तं भुक्तं
भुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
मेभुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
भुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
मिह सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
ठवदुःखं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
भुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
य भुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
के सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
य भुक्तं सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
लनय सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं
वे सुवसु भुक्तं सुवसु भुक्तं

३२

五

31

३.
पी.
२७

भूतलसमभङ्गैरधिपियेऽऽतः शुभा. उभ
 निहृष्टैर्गोभृयेऽऽयतिविनयकऽऽ
 भयभ्रुह, भक्तममिदुठिभानवि
 नयकेरुहृत्तरयंभेकस्त्रीमिडियव
 ग्री ०० मुकङ्कलीयमपयंयेननवन
 विहृते, उवडेन विगीयभृयजंयइति
 प्रलड॥ भवडेनिरकङ्कडुडेभेवपरि
 प्रलडडुः ०१ कभृतेनृडेयइगग
 कुभमिडुहृते, पीयडेठडिपीयधर
 मभृदुप्रयंथमभा॥ नृडेतेतः भूकभ
 ठेगल्लमेकमिभूमभृडमिप्रयडेकुहृ
 उगुभृडेगगकुभमीडेनप्रदभृकभृ

३.
 टी.
 ५.

भट्टडयगुलीठवडेतः पीयडेसमभङ्गि
 यडेठडिपीयधरमः मभानेसमननभृ
 मरः भवभृमदभृचहृधनठेएन
 धनरियाभृकलीय, भडिठलेकि
 केडेतेत ०३ उगप्रवभेमडमिडु
 जभभवभनभृगडभा, तउमभ
 भनभियववभृउडुचभनगवृः॥भ
 भेडिविमिडेभृचेल्लेकिभृभेमडेकडे
 यभृभृमिडुयः भेवभृकलीयड
 डुभभवभनभृगडंभृउठंभमेठ
 भनभियववृगगमिभृचभननभृउ
 कुवगगगमिभृगगः कुमकरमभृभृ

३३

०७

लभुगगिडभा डंविरेपरभिकंवेय
 यकिउभभरभेकृयभा ॥ केसुभरभ
 भकृयंविरेपरभिकंभभवेमेड्डं
 वृद्धनेउविधयेकृयंकिउंवेययविवे
 किउंकर, येनवृद्धनेगगाभिरभकउं
 वृद्धकृयभरभेवभु ॥ १० ॥ विमर
 वेगमसाभुपिविभयवृवडिवउभने
 पि, इम्वितभमिरभमउगलीकउठ
 मयावभुभा ॥ योगमसाभुभिकृकृ
 ननिविधयेवृवउयडिदियलंभ
 वृद्धभुवउभानइम्वितइडुडिरे
 वभमिरभमेवउगलीकउंउएउं

भिउडुभिकभुडुमिदीवेवेवअलभ
 नंनिएमभकृगडुडिरेकृकृमिभ
 पिडुभिककृनरुवेरेकृकृयंयभ
 उमृगवभुभा सुपिसवेनभभकृय
 डिउडेन, नमरलीयडभकृ ॥ १० ॥ व
 मिभनेभडिभुडममरीरेमेभुभकृ
 गमिडभु, भवउभवमभेधरःभरेठवउ
 ठडिभमः ॥ भनेभउयःकल्नभुएन
 पियःकृगमिडभुवडिरेकृकृय
 कदभमज्ञनसुवमिधवकृकृय
 भुवडीनंभवउभववभुभधरःभ
 पुमवेवभुवडिभमःभभवेममभकृ

३.
 टी.
 ५०

उ.
ए.
५७

गिष्ठुत्रयमिमद्रुकेविधुयंकुवनंविम
 विसृतिभुनंउरकीरुमे,परितःम
 भुत्रविपीडःमभसुनिःमेधेएडेवे
 सुतुपेष्टउरुमिभूमिरेयेन,उमचग
 लिउभुमिमिनीगीगडिकभगीयउ
 मिवाइमिद्रुपसुतिरेकेमैत्रुष्टुठवउ
 सुतेनठिउमिववमनिमभउउः उर
 भूककेलविमरेयंम^भवेमेनभूमरेयं,
 कीरुकीठवउःभूठेगमिउसुद्रुयउप
 उद्रुएनेकनिधुः १५ ॥ अवप्रमिभु
 एठमिनिमसुउमिउतिठउरकिमभु
 ययुष्टुउ उतिमतिःभूमठठवउद्रु

३.
५.
१३

[illegible]

सुकुत्रुयेकमभविगेगठत्रगग
 वेवसुविविउभहंउंउभानसुभयमेव
 भउधभउठवउंउविभयविरमसु
 मभमभमेसुनसुधमंहुयःपरिभु
 रेगिहउः॥०॥ विवेगभभंभभेधि
 येभुहुहुयःसुवियुतःभमेवसुं
 एगउपिवियेहिउः॥सुवियुतःभ
 भविभुएगउहिहमिभभसिवउे
 विभुनपिवियेहिउंविभेभिउःभभ
 वेमेविभुसुपुहसुभयेठवहव॥३॥
 कयवसुनभेहयमिभचंउमेवउउ
 उहभपभभेपिपरिभलेसुभभम॥

वठवयउ

वभुउ
 ३०
 ए.
 १२

यउउविभयेउमेवउकिउिमिकभभ
 सुमिहभपभभउउउि.यउयउउधभ
 सुभचंमिवभयंयउउहभउउउं
 विभलउउिभभवेमेनभभउउः॥३॥
 निविकलेभभनभप्रलेयमुहुवंभुभ
 ठवकुउिकगीहुयःसुउपेववसुभ॥नि
 चिकलःसुसुमिभुधभुभेउिनिविक
 लभभनभभयीमसुउपवसुहभभ
 मिउउउंसुउध॥२॥ ठवमेवम
 उःधसुहवंठवंठवभयभ.विभये
 निगकहुःधुहधपरिभउः॥ठवं
 ठवमिउिवीभयविभुधःनिगक

मि

३६

ॐ ह्रीं विमलं हृदयं केशवः पूजयेत्
 मिथुनं धनुमं कनकं हस्तं कर्कशं पश्चिमं
 मिथुनं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं ॥ ५ ॥
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं

ॐ
 ह्रीं
 ५५

ॐ ह्रीं विमलं हृदयं केशवः पूजयेत्
 मिथुनं धनुमं कनकं हस्तं कर्कशं पश्चिमं
 मिथुनं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं ॥ ५ ॥
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं
 कनकं हस्तं कर्कशं कनकं हस्तं कर्कशं

ॐ

गकडं कृमभउउभदुइंनडठउमभ
 वेमेनभुगड,अभूठभुमेननिल
 मि,परिभूमेनप्रभुःपदडप्रभुभउ
 डिगएडिभूवीडिदेन॥ ३ ॥ कंडुभिकं
 नपिमेषेकिंडुहुनउवधः,सुउभुन
 भूयभेनभवउभुभवभुयभा॥ सुउ
 डडभूडठिहुउभुपडभुिंभंभगेपि
 नःडंमिहु,पभभूयभेनप्रभुप्रभु
 यभंविनभवेउयडःकडभुभवभुय
 भा,भभवेमेनभीकदभा यडकंडुभिक
 भवभुिंनपिमेषेनपिडिभुभिउहुहु
 भउगंवरभुकिंयडवरधःभुपंनभुग॥ ७

३.
 टी.
 ५२

ठवभूधपरिभूधभभुगःभुमुयेवभ,
 यडडभियडिभुभुकिंनभनएडंभ
 य॥ सुभधपरिभूधःपरभभवेसभभजः
 भुमुयेवनउकरुमिहुडेनकिंनएडं
 भवेहुभुभयेवभुिउभिहुहुः॥ १००॥
 भूकपीठवनहुठिगहनठिकभहनः
 कभभुनभडभुभुभुभवभगयभदे॥
 सुहुठिगहनठिहुहुंठिःकभहनः ३
 हुठलडभुवमिहु,पभभुभुनभभः
 यडभुभुडेगभनभगविवभभुभव
 मिहुपंनडहुहुहुहुगयभदेविध
 भः,सुडःभूकपीठवभूकभभुभुमिभभ

३.
ए.
१३

ग० उ० भु० न० भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 न० भु० न० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 की० भु० नि० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 वि० भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 उ० भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०
 भु० भु० भु० भु० भु० भु० भु०

[illegible]

३.
क्ष.
५७

सुद्धागिडिगविकलं प्रलं कृत्वा, कृत्वा
 धूम्रगद्गिदुग्गनेधि सीतैगवेयधुग्गधुवे
 मयुद्धाभभाविधुग्गवदुग्गपिलं विधुं
 लेकंमिवभयं, श्रिय सुवद्गुनः कृत्वा
 दृष्टागीधुक्कलः प्रलभयीधुक्कयधु
 दुधेनभधुधः पधुयभा॥ ३॥ भभक
 भनेगकीउद्धुग्गिठलद्गुनंभभि
 भउना, भउभउद्धुग्गलभभेडिउद्धुं
 दृष्टीठकडभा॥ भभकेनभनभग
 कीउधुल्लमद्धुग्गधीठडयेयंठजिगि
 भुद्धुलीयद्धुग्गवएनगीमरद्धुग्ग
 लद्धुग्गधुग्ग, सुधमगभउधयभीठ

लेसुगीपुपभाभिभाभीवेवभुडकुडतु :
 भिउवेवठिहठिंतीडभकहपुभभु
 एउयपरभा^{सु}धभभुवकुभलभुडुठ
 भतीभभयडिभुंनहभेडिउठिंमुमी
 ठरुडंभुडुठिंनयड, मरुमठरुभा
 गभुभिभाभयेठिभुडः उभाकिमिड
 मावभचउठवकुभकुमभिभा, हथ
 कडमकिभठरुभयगेरवरुवल्लधि
 भविभुडिभुनडकुपिः विभुवेमिडुग
 कलउभुकभुभाभुयडिउडमीमि
 उभा, भवंभकडकुडकभाभयिडं
 म, भडतः परिभलउयविहउडर

उउडुभमकुपिः परिभिउभिउठरु
 भलभेवरउमठिभुं, नडवेडेरभल
 डननेरककुग, सुभउंउवमहभिमै
 हनीहकुजैहभउभुभकुस, एवभउ
 ररपिभउहभा॥ ७ ॥ ॥ डडिमीभुए
 वहुंविभुगविलयनभेयेभउभभुडे
 विवडिः॥ ७ ॥ ठियःभुभकुनवगंभु
 रभुडियमठडिगिवभभुययुभी, डे
 परभरभभविडेकमउरुमेवप्रभिउ
 ठिभेभुडः॥ भयकुनहेपमभुमिडे
 नेकुहंभुभकुभुलवेल्ड, भलउ
 यंउरुमपगभभिवडेव, गंभुगडि

३.
 पी.
 ५.

३९.

[illegible]

गवत्तमलेकसुवविभयधुपामिधुश्री
 उवदलपवपरिउद्धःभुदयलउभु
 किन्तुउविभयनफभभुविकल्दिगलि
 उठरभूतिपडिःभंभुवमिभूतःसगीर
 उयःदुताभगठनलेकययंथसुयभा ३
 मेककुमिभुउषभनमिभुंभूवभूनिम
 ठरभुपेडे, भंविभूःपमिभुउभुमडेनभु
 भूतभभठवभूदुपः॥मेककुमिभुए
 गभभभूवभुभभनमिभिकल्दभभ
 भूवभूनिभुपदुःपमिभभजभयभंवि
 भूःपमिभुनीलमिभूतभुडेभुडिवि
 मिभुभूठरभुपडे

उ.
 टी.
 ५३

उडिनभंभकसेधः, भवभिवभिवठि
 किउभूकठरभयेभडीडियवडा
 उनेडिभूभूनिमभूडेनमिसूतभूभू
 नभूभुपेभभभभूदुपःभूभूपेदे
 नभूभूव॥ ५॥ निएनिएभुपेभु
 पडिभूःकभूवडयउन्नमिडभ
 भ, कभभीमभनगपिभैवकुडुभ
 विठरभभूडिभभभ॥ ६भभ
 भकभूवडयभूभूगमिःभंविभूद
 उन्नमिडाभूलेकिभूननिएउएभ
 भेल्लभःभेभूभेभुपामिभुविभयेभ
 भूभगु, कभविठरभभूडिःभभ

५५

५६

५७

रुवमवेमवेमेनभायीयगुरुइकडल
 ५, भापभज्जः मय्यभा, भूकमय्य
 इड्डिउभा, ममुंमीउलंमेडिभूगुगठव
 यकभमयन निगिपलायः परमउप
 मुउममयगमः मभुविरेहवकगंली
 किकचदिभज्जः नडिवउयेयनिवउयेय।

विक्रमभउभ्रवप्रवृत्तमङ्कंभभपयत्तु
 गतिभभङ्कडभा। वृत्तभचभिभङ्क
 यवलिउंभुडिधषिधगष्टृष्ट्रपाए
 डभा॥ भुंमिभ्रयंठवमङ्कंरधःभ्रु
 पंविभ्रभउ, भ्रुतावणगतिगभिभ
 मभिव'तु'विभभङ्कडभठिउंभभ्र
 गभ्रनरुङ्कनेधयत्तु, उउभ्रभचंभ्रय
 वलिउंठमविष्णुभिउंभुडिधषिधग
 भष्ट्रपाएउंभ्रुडेगविधयउंभ्रु
 ७॥ १॥ भभ्रक्रिय'मथिउ'वकड'भ्रु
 ननविलिभ्रधगभ्रउभंभ्रवः, भभ्र
 एउयभ'ठवमङ्कय'भ्रुभ्रन'भ्रुभ्रगीध

विप्ररत्नम् ॥ ठवगुह्यप्रसन्नमिह
 कृष्णमेवयोगदुष्टसंभारकयप्र
 मरुगीत्युक्तः परिप्ररत्नमिह
 भाग्यकुरेभभयस्यप्येउ, उषाडरु
 संधारभानजमीप्रसरकेउदुवकभ
 ननमेवीभापमिहमिभ्रुह, परमति
 दुपंउनेये विलेकेवलिकुभनगुरु
 भव, वलिकः भ्रुत्तं भावपरभाउमं
 भवः परः भ्रुत्तं मेयोपिभभूमिया
 मिडिरुद्रमतिभभवेसभसभु॥३॥
 यधिकरुमनडवकभद्रभ, भाउक
 मुगलेउनीयभ, भकललेकभुपेधुधरा
 दुपे

प्रकृ
 उ.
 टी.
 ७५

नठविडां धुठयमुडावकिभा ॥ उवक
 भद्रभभुद्रभवेसाव, भाउक मुगं
 भुयसीकरभवनंउनीयभभुभरवि
 मलभ्रुपे भकलेधुलेकिरेभभ
 यिभुभवेदुःपेविवकिउडिभ्रुह
 केयेधुपिपरभाउमुगिउडुद्रदु
 पिनठविडां भभभुपावठविहमि
 कीमुगुरुयभ्रुउमुडावकेयेपक
 यकहभचभठकेपमुविहः ७
 भउभवेठवमुगमुहकरमभ्रुदि
 कंभवरभ्रुमे, उपिभ्रुलउलमपि
 मभ्रुगदुधनभडएठमिभ्रुलिक॥

४६

ममकंभवममुकमउकयेद्वनमभाम
 नयमेः ह्याएउममभउउमेवउव
 म्मगलभुएनभकरउइडिभुनंथ
 रसतिहुभुइविमगिःःठडिउवभा
 लिकविमहुगउथनभभुथठिग
 भुउथगीहमिःभूवसभप्रविमृति
 कुमिहःभवह्वावेहःकंसमुह ००
 उथयलुविडेमभभुवभुहपिमिड
 विथयंममःपमंस,मभमन्नमिडन
 भूकसभाउभग^{वि}पंथरिभुग
 तु॥मिडविथयंकलुडंममःथ
 मंभद्रकहहभा मन्नमिडनयेरवि

उ.
 ५१.
 ५५

कल्यभविकल्ययेःभूकसभाउवेय
 रभयनमेवभगभुहुभुपंथभंडनि
 केयेथमेयकलहुमुहविमभभुनि
 वभुनिथंकेवलंपगिडःमभउग।
 भुगहु॥ ००॥थरमेभुगउभुउभुठिमु
 भुपिनभेथनभहुकंठेयभा॥नपरं
 गउठीभुगहुभहुगुथएडपिकमभ
 मेपियारग॥हुमुभुलेमेभुनकेवलंभुहं
 गउठीभुगहुयभुगहुभहुगुमतिभ
 भवेसग यारहुथएडेपिकःभूहुभुः
 मभमेकंयेयभुउमगपिठवेयभा।
 भुपिकसभभुयभमयःयहुउहुः

५५

विष्णुमिडेभुविलभुमिडिभुव
 लनरुभेभमफरीउयप्रलभेमि
 मुडिंभुयभा ०९ ठवभुनिरि
 सुभमिडंयमुवडेवपिवकिःभु
 सुउउउ, डियमुगुनिसुयेपुपुं
 उमिगंनोभुएभेवठभडभा॥ यकि
 सुंहेभकलउःकलनलउंठवभ
 डुडुमिडंउमिडुइभेउंउमुवउं, नड
 डेनरकिगिडिउउडुभइयेकयव
 डुडेनभुसुउ, सुपिमिडेवकिःभु
 रुमनेपिपुतःभुसमनविभभभ,
 डियमुगुवडुउंउपुमुगेनिसुले
 ननिसुयेनेपमभीयेपुं

उ०
 ए०
 ५०

श्रीरभेविडंभभवेसनभुमिडंउमि
 नीमिडिडुइनेपिभुएभेवठभडभा
 भुडकीठवडिडिमिवभा॥ ०९॥ ॥
 मुलेकिकेथेकुलनभभटभुभुइरेवि
 राडिः॥ ३ ॥ श्रीभरभुइवभः॥ ॥
 ठिकननवभभुडुभभुगभुमिडेकु
 भा, भुवउउविफयडुभभडुइनेभरः॥
 नवरभेनउउठडिभुभगेभभुडुः
 भडिमयेभुफनीयःभभवेसभभ
 भुगभुभभुभुउडुकंभेडुठंभभभनेह
 डुलनएलंविफयडुइनेभुवउउउ
 डुभवेसभभयेठवेडा॥ ०॥ डुमकउ

५८

ये

उ.
ली.
५७

भुङ्गमप्रमभमकपनः, कुरुभ
 कुरुगिष्टमिष्टवतभयप्रकुरुकः॥ उष्टेव
 कुरुनउविदुतिभुङ्गते, उष्टवकुरुप्रम
 भंरुङ्गगीमिमधैवभकङ्गीउंयनं
 यष्ट भुमभमभुष्टवमितिभुष्ट, क
 लभमभयिष्टुङ्गभमभकभनउष्टकः
 भन कुरुङ्गभकङ्गिष्टमि उष्टि ३
 गगनगगवसउतिगयेकीकुउभन
 भिमिकम, यष्टयष्टिउविष्टयष्टिउवि
 लभकनलभुभुष्टमि॥ निगये
 कीकुउभमभकलभुष्टमिउंयनं
 उष्टवभयिष्टमभनभंयष्टमभउष्टविष्टः

कुरुङ्गभुष्टमिष्टकष्टनभुभुमि
 कीकुकायष्टयष्टिउविष्टयष्टिउवि
 डिउिउष्टिउष्टिगिपलभिमयीयष्टन
 लभुविष्टमिष्टमयष्ट, यष्टयष्टिउ
 उष्टुष्टभनभुङ्गनउष्टिउयमभुभम
 यष्टभुभम॥ ३॥ अमंविष्टुष्टमय,
 यिष्टुनःभचमवडः, कुरुनभवमी
 कुरुंठवकुङ्गिउठवडः॥ अमंविष्टुष्ट
 कुरुमविभज्जङ्गकुंठमयभयिष्टुभमभु
 यिष्टमंउःभचभुङ्गमिष्टुमवडय
 ठिःमज्जिमभुष्टुष्टुङ्गउडिभुष्ट
 यमवःयमिडभुःकुरुठवकुङ्गःभ

५७

भवेमङ्गलः पूरुव सुमीरुदभा उरु
 ईसुदंभु प्रयमिडियवम ॥ २ ॥ कुरु
 मभुमिडेकुगिठकु नममभेइवः यम
 लेकभायनमीपाषडभापिलभुउ ॥
 कुगिः पूरुउः उरुवेकु डिभुफनीयडउ
 मेकहगुडभाङ्गन सुमभुपाषडभेउनेन
 मभमभुप्रयडि ॥ ५ ॥ वेसुवभठयभु
 मरंभुलभकुरु मभयकुडङ्गनभा म
 कभठिहयकुरुभुमिहनेलहयिध
 मि ॥ सुमेधविडुहभरुडमीसुवे
 सुभुडियेगिडु मठयं मवभुडुडुम
 रंनिरकडुडुडुलं निहडुमकुरुलं

भुम

उ.
 ली.
 ५३

यममकरलं निविभिउमेवएगमुथ
 उयगुरुलं नभुपुधगेधनभयडुमप
 कुडङ्गनंयेकुनीसुगमिडुपः मगेधय
 उङ्गनंठगवंभुनवं सुममगेपिउङ्गे
 वेडीमसंभुमिडंनिहंभुडंभकमेडि
 मभुववेमयकु कुरुठिहयभकहडु
 लहयिधमि मपकु डिभुयनउरुप
 गुलीकुरुलं भुलमिरेकडुपउयेवभु
 वेयेडुः ॥ १० ॥ कुरुकभपिडंनभउ
 ववलठडभियभा ययभंभुडिजक
 पियुडंउभुडुल यिउभा ॥ उववल
 ठडभिडुङ्गे मभाफ मभउवमउउव

50

२५

३.
क्षी.
७७

उयेरभेठङ्क नमः भूभरभेनभविडेह
 ५: कर्मभं उड्डउड्ड हव हयेहभा
 मयवमभएनुन भिडिकर्मलिभभू
 उड्डायभङ्क: कर्ममभएनुं मुड्डउठव
 इरभय नृभूत्रभेभेभेन नमः भूभर
 ७ भविड: भुभिडि. मयत्रभेभिड
 भिडिठवङ्क: उठयइपिहएनभङ्क
 म: भवेभिष्टमं भड्डदभा ॥ ३ ॥ ॥
 हनभुपमभुभिदेगभुपमभमम, उ
 रुजिदविठकदिअन्तभभुउरुजिड.
 भवमभुभुह्वंभुजिदेउडेनेउं, भुज
 सुभभपमभड्डउयेवहवभुपमभ

उरुपायकुमुदिः सुनसुपरभाकुः ये
गमेककुमिमुतिव सुनेतेनवसुनेरुग
भलकिउमुविमिउमभवेस सुनेये
गमुपरम मेउतेठेवेकु पडिउपाक
सामयकुमुतिमुमिउमभकदिउ
मप्रलठउठउमुग ॥ ७ ॥ भदमे
वभाकुमगाठभवधुठुठुविममे
कभा कुमुग^{वि}वरनियानंभवमुभकु
ययिहामि ॥ रुगितिधुठिठविकुमेन
भाकुमभउकुमुमभुगपाडीठउउउ
एवठुठुविमः परभानमिठुठेठंक
मकुमुग^{वि}वरनियानंमभमुमभमयं

३.
८.
१०

ठवदुगमजिनिपिंभवमुभकुयिह
मि, कउउयउः भिउमपिअमिउधरे
मयुठेठुठुयिहामि, परधुठिठवल
भूयउवधुधुधवभउगुठुठुलेकन
मिकंयउभवेसमंउमिपरेमेउठुउउ
मभचउगुठुमभउंमुठिठउः सुने
उमुठुनः पयिठठउठिठुएनउलि
पुठुपगउंअमयडि ॥ ०० ॥ पडिउः
धुभगमुठुठुठुलेकभयः कस, सुंय
समनकिठिठुभयमुयठिठुठुठुठु
पडिउः मभउकुमुगुठुठुठुठुठुठु
ठुलेकठिठुठुठुठुठुठुठुठुठुठुठु

५२

३.
६.
१०

उषाकदि.

शुभा उक्तिमप्रतिउडिवरुडेयभासये
 यरुभासितभकठिभानशुपिमभावे
 सश्रुभयः प्रुविधयेरुभठवार्वे
 मिडः॥०३॥ सुमेधविधयः सुट्टसीभ
 भास्त्रेधशुभिउः, सयीयमिवसीडडि
 ठमेसययुगेकरु॥ सीडडिदुभलय
 गंध्रपुण, सयीयविमुभं, कीमगमे
 भविभय, सुट्टविस्त्रिहुरयेयेसीठडि
 लक्ष्मीभुडुतेभभास्त्रेधमममठवभुभु
 नभुभिउः कट्टकः भधुः॥०४॥ ठडु
 भवभभाकुयभुडुएठगभभरुः, क
 मपारंगभिष्टाभिठविष्टाभिकुमठगी॥

ठडु भवेनमेवगमेनभभाकुभळीउय
 डडुएठगभभडग भभावेसविमुडि
 मीः उष्टापांभुडुकेटिंकमगभिष्टा
 मि, सुडाएवकमठडकः शुभा॥ ०५॥
 सुनकवधधभुलिउपरिहडुगडुम
 नकः, कभेनभितवमभुडुजगभंक
 मभुभि॥ मिगडुडुनडुगिडंभभावेस
 मसाभेवकडुडि, सुनकवधधभुडुः
 भभावेसकडुवेसविभगभभुभुडुभु
 लिउभुनभुडिकडः परिहडुमिगभक
 लक्ष्मीभुभुडुगभुडुकेभकनमेय
 शुफभेनविकभेनेनभितवमभंमकि

सुध

५३

गवे

३.
 ८१.
 १३

भनियश्च, मउत्तरमेनविकमेनेहा
 मिउंष्टुंमेठिउंमवइंयश्च॥०८॥पसु
 एनभभानवाडभवप्रयसमभिभंक
 मसभेसुश्चमयेयउवकठकेमिउभा
 इनेउपभा॥इइनपडिउठेभभयीभि
 भभिडिभुएंठंतीमसाभवप्रयनिव
 द, मयमभभवेमभुमगइचाहुवप्र
 नेनठिहुयउवकठकेमिउंनिहेकिउप
 भानकभयभइनेनइवश्चकश्चमिदू,पं
 सुपंकमश्चमयेयमभइदभा॥०९॥
 लवृणभभिमिभिद्धिचिगलिउभकले
 पडपभइमः॥इइडिभभनिधानरी
 रभायन

इनिधुःकरभीय॥मलिभभिमिभिद्धिः
 भुयुमेठेभभयी,मउत्तरविगलिउःम
 उउपडपःभइभसुयश्च,इइमी
 नंउठेभभयलिभभियेगेपिभभ
 मिइभभुवश्चभुवडा,उवकुडेपिड
 इइभउपानभुमेरुपरःकरश्चभा॥ ०३
 नभकरभउमविपउइकेभभभुसुरे
 इमि,यइभनउरभेवभुवडिभभ
 वकीभडिः॥मिगइडिउंभेडिःभउम
 विपडडिवकुभमहउइकेभभनरुः
 भभसुरेइयेभेवेल्लभेडाभुवडिभभ
 वमेनमीहेउभडिःसुपुपभा॥०७॥॥

३.
 ८१.
 १३

गमगमठवमदिभुगेरलिङ्गनहमनउद्
 रमोः॥ वभुवभुमभयउडावडं कम
 मभवलेकयिडाभि॥ वीभयहमन
 उद्गममहंमठतिभुकवववभुम
 वभुवभुमभितिवठवडुपंविभुमयउ
 डावहणएधमिविभुमभितुडुपं
 मभुजउडेवलेकयिडाभिहृभीति
 मिवभा॥ १० ॥ डतिभुउडुविणयन
 भतिभुडेविवाडिः॥ ७ ॥ डिनभेठह
 भवउंउएगमेकभुठेरिमभा भदेसु
 सुएगडभितेभंमभसुयउ॥ भदेसु
 गविभुसुभुपमभविभुंउडेभं

३.
 टी.
 १५

ठमभयनंभुममीनंमभाऽडीमंउउवन
 भेठहभा डुयैवउवभहुउभुठवभिकु
 भवेउहुउभुभवेकेडिडीयेएगडिभुः
 मकगेविरेयभाकठः उडुमंएनवेमेव
 मगभीडिभुहृहुडुनेडउभंलेकनं
 भुपमभंउवनभेकुंयउभिरुहे॥ १० ॥
 येभमेववगगनठवहुमत्रगभिनःय
 उउगडठेगंभुकंभिकुपडुहुडे॥ मत्र
 गगलभहुयेडुमगीमिभंरहुभुयउउ
 डेडिभववभुभुडःकंभिकुभभनउ
 भयडेगं^{उप}डुहुडे॥ १॥ ठउकलउके
 यउठवंभुउठउरुएःउउमउठेगम

५१

कलकी २३७ वकी ॥ कल उक ३३ ने
 भक कल भद्र दभा ७ : भव कल : क
 लगु भिनि भूडे भडि ठ ३ : , धल सु म वै
 वठ वडी छः ३३ ठेग म भम भिव कि
 पमल की भद्र क न क मिड ३ ठेग सुगु
 भुड न की र सु य भू क म भ भड ॥ ३ ॥ क
 म भ ३ भ ३ भ ३ भि वि ठे न भिल ठे भ
 उ मे व भवः कलि सु ड म न के न ध दे ॥ ये
 न ठ के न क म भ ३ म भ वे म भ के न के ठ
 न भि डं ल ठे भ , सु सु ठ क सु ड य उ मे व
 व भ ३ , भवः कलि सु ड न म म ठ ह ध न के
 न ध दे , सु कल कलि उ मि म न क सु ड य

मर

व भू वे मे न उ क यी वि य ३ , उ ड उ क लं म
 उ डं भू ३ म भ ३ , वि डः भ भी ह प क
 सु ॥ ४ ॥ सु न क र भ वि डु सु म डु भ ग लि
 उ ड वि , भ द भ ३ उ भू भ ३ : भं क गी उ ए
 भः कलः ॥ व लिय भ भू डी य य न इ य
 भ ३ उ व भू डे , सु ले कि क सु क भ पि भ क
 सु सु कल कल ॥ उ ड व ड वि सु यी भे भ डू
 क भ सु म डि भ ने सु न क र भ वि डु दः भ
 ए व क म क वि ड सु डु भ ग लि उ ड उ सु ठ
 व ड सु सु डु भ सु ग लि उ भ नः भू मे य ग मि
 भ कि उ उ डे व वि ली न , उ य उ डे व भं क गी
 ठे म गु भी उ एः कलः प र भ पि भू लि डे

३.
 ८१.
 १५

यः भाववधुः सकुडुमेपकडुमः अदः
 पूभातः अदसुभूले विलीनेपुविउअ
 दमेभादिपरमाजीकुभिः सुसैसति
 दुपायनेइयवलिंयभः सुधिग, उवि
 यसुडुभाः भडुमीयनमभभिरुजलि
 उः भूतः अदसुउवभभुविरेअणभः
 कः पूभातः भुविउः यमगभः सुन
 सतिः पूरेअउयहमिहविगुह, उयउ
 मडुपेलेदियासतिः परअमेति, सुभै
 लउमउं मभुअदेलाभनयउवयहृजीयने
 इउभैवलिंयभः सुदेवभकवकिभये
 भायीयककमिभुभाहउं मभदयभः की

३.
 टी.
 ७७

मसयकभुधभभभयवकेदेपेदुह
 गेमभभालेकिरुभभफहुसैकलकले
 भभयलडिहूनय, सुभैउडिउमहृगण
 जी॥७॥ उनेवसुभैभिरुवमजनहृडिह
 हृडि, कसडिहृभुवकदः केपिउनडभी
 डिउः॥ उमभगदिउं वसुमउभैवविमिउ
 यविडिसाउभभवेसयक, ठवउं मभु
 येडिहृहृडि सुनमभयेठवडि, उनेवक
 पिडुमडेकेपभापउलमिउं मभुः।
 कसडिमिडि सुकिडिभिरुहृडिस
 भुवभभवेसकमेलेवयभुकेपिकडे
 नउडेकेपभापउलकदभुनकेपीडि

५४

मिह्रभुभीमिः पूरुहिल्लुः ॥ १ ॥
 यथं भूभवेभिर्विहैदेलसंरुमयंतव. ७
 नष्टरुगुतैभुवह्रुमह्रुतगीरुतभा ॥
 भूभवेभीतिभूयग. मडावह्रुमयंभू
 कसविभज्जुंरुंयंलव्रुभाहीरुतभा
 येभूभूदुगुमीयाभकमिह्रुथरु
 नष्टविभ्रुदसंरुह्रुपेययवह्रुविभ्रु
 भिमंभ्रुगह्रुतगीरुतंमिह्रुयीरुतंभाभिं
 उभंभ्रुयीरुह्रुतिहिंसकेउउउरुम
 भंविह्रुउमिउंभंविमोठेनमरुभभनं
 विभ्रुमिह्रुयभवेभभिडियवउ ॥ ७
 वरुनमह्रुलेह्रिकेसगुः भूयग ॥ ३ ॥

उ.
 टी.
 ११

उमडेनिीयलंविभ्रुमभमगुतभीह्रु
 उभा. रंभ्रुः भ्रुगउभ्रुभकेविभ्रुभ
 लः ॥ मभमगिडिभभाउह्रुठेभभयी
 म्रुंविडिह्रुउता विनयनंमंरुंउंभ्रु
 भयउभा. एकडह्रुडिगीयः विभ्रुभंठे
 भ्रुभभीह्रुं ह्रुनंयभ्रुहिंरुम ॥ ७ ॥
 भ्रुभंठवह्रुवे^न ठवह्रुउवनभ्रुयग. ७ विनभ्रु
 म्रुभ^नकसयेभंरुमडेनेपथह्रुउ. येभं
 वेह्रुभह्रुभीभंभकमीनंरुमभ^नकस
 म्रुभयिह्रुह्रुकभ्रुगमिह्रुभंठह्रुउंवि
 ननेपथह्रुउ. उभंविमिह्रुउउकर^नभ्रु
 नंभ्रुभ्रुह्रुवंविभ्रुभडेवनभीह्रुमिह्रु

लेख्यमङ्गलमिति सिद्धुपुंङ्गं भवगष्ट

23

३

उरिह्य एतवे एममिठ एपिह्य
 भासाभाइमिडिउरुभायमदधा
 मेडिह्युति, परमिह्युठ एमडिमुपि
 मेडनभाउमेडनमविभयेमुहउ, उम
 हुगमे, रुममिह्युठियेगेनमदयेदुप
 इममंभारिलिउगहुडिविमुअएग
 उःपडिगिह्युभउभा सुभमुकठिगपि
 मीउउमगेठिफिउभा, सुभिउल्लि
 एएल्लुकिमुठवेनेमुमिमुमु, परमे
 मरुममुमवहुकेउ विमुयउउमुःमगी
 डि॥०३॥ हुहवगंउवविठेउनेरिएग
 उंयस, विरुमुहनेमेवउठउहवयम
 धलम

३.
 ए.
 १७

७

रिएगउमिडिभुयुग, विरुमीडिपगय
 मिधेधयमिमहनेमुंमुं, वयमधुल
 मिह्ययममयः यमहुय विमुभउर
 ठमेविह्युठपिह्युठहुठिभानगुहल्ल
 वमुउमुमय सुपिवयंमुडिरेहिमिड
 उवेयनंठिवमेवविमुएगीममुउलम
 हुउंउवेयंयगलीयः येमलीयमुयउ
 हुहभुः॥०४॥ परनउभाउमेयमु
 मुपिएगमहुनि, इयिभजगमेहुउउ
 रभहुविउंभिउ॥ इयिपरनउभावेनी
 लपीउमिह्युगमहुनिमुमुपिमुहुनेउ
 मुपेनभुहठिह्युउपिभजगमेगामुम

उपे

भवेमभयप्रभवेतवहमभुद्धिडेभिः॥ ०१
 मेवदुःपयमेधालियनिमंभविम
 पि,पट्टाएठवमीयइयउत्रयतिभहु
 डभा॥केमेवकीडमिमीलमुमेधालि
 एवहुमिविभद्विडविडवदुःपयनिरे
 मभयडग,उत्रपिमंभरपयलंभुभा
 हुंभेठहडंगसुडि,यडेपट्टाएनेम
 भहुभयलवमिमंभुभुभवेगभमिहहु
 ठिभानवभुभुगुफि॥हुमीयेनहुनयु
 कुनिमंभजुवेडनि॥ ०२ ॥ भवहम
 चमजिमहुयेवभडिमिहये, भवध
 प्रभडेनभयुजुअएगडःभुध॥ ॥

उ.
 टी.
 ३.

सुअएगडेविमभुभवधपिमसक
 कन
 लहुदियकगिहुमिनभुधेभुहु
 मवहुभुत्रपयभुभानहुमविहुभान
 भुधियिमिहुयेभवमजुभुडेभवव
 ठभकेमभडिभवधपिभुधयुहु
 भवधहुठययेहुभा॥ ०३ ॥ हुहु
 डःभुगडीभेगुलेभुधभसुपिचड
 डिधवेहुडःकदभःपिमवेयध,
 यमिनभगुभुभुठिभनिनठवडुडः
 हुनकीयेउएगडभुभकहुडयभुध॥ ०४ ॥
 गहुभुहुमिधमिभद्वलेभुधभभ
 पिएडभुहुलिडभुहुलीविडःभतुः

०२

उभेनैवठगवंभुषाभिदिःकषंनभो॥८
 वठवतुपंविमंडुमेवयउभुडेभभाभूय
 भउउपायएलंविनभुभेनैवनिडेकि
 ड्डेनकषंडयनभिदिभूडू ककूःभ
 मेकिडेनकभमभु॥ ९८ ॥ मिवर
 भःमिवेकडू किंयवभामयेडुपभा,
 ड्डेभिमेवभाएनभपियेनभाउभवेः
 यडाएवमिवरभभुडाएवभभविभुडू
 भिवेकडू किंयवभामभाभामयेडू,प
 रभाननभयेठवेडेवडूः, यडेमेवभाए
 नभवेभुडूनीयनभपिवूकमीनं
 हूमयकिभुनभुडूनभिदियेमेवड

३.
 पी.
 ३३

नंभाभाउभवेःभुभयभूषभभयभुल
 मडुयभूकभाननभुभवेभुडूःभगिभ
 लीयेभिनाउभभुवडेगुः॥ ९९ ॥ हव
 ड्डेनकषंडयनभिदिभूडू ककूःभ
 मेकिडेनकभमभु॥ ९८ ॥ मिवर
 भःमिवेकडू किंयवभामयेडुपभा,
 ड्डेभिमेवभाएनभपियेनभाउभवेः
 यडाएवमिवरभभुडाएवभभविभुडू
 भिवेकडू किंयवभामभाभामयेडू,प
 रभाननभयेठवेडेवडूः, यडेमेवभाए
 नभवेभुडूनीयनभपिवूकमीनं
 हूमयकिभुनभुडूनभिदियेमेवड

६५

णि एगमि मम वर सुहृदे वदु एने व
 नठवडि मम किमपि, इंधन गउडु चंय
 मउरु के धरे मे सुमे ॥ एगममि इयं ले
 कउ मे ७ डुर मम पि मम न किमि उडि
 लम ॥ मिम इक डु पडु ॥ यम धनः
 भूक मम यडु मउ डु चं डु मे वउ मम मम थ
 रे वडि गिडुः के भुन किमि उ ॥ एगममि
 अडु थ मे वे डिय वडु ॥ ० ॥ अमि मम के अ
 र सुं मम डु चं एग डु मे वे डि, व भूव मि
 डि मे डि डिय मम उडु थिय मम ॥ ॥
 मम मम उ डि भू मम ॥ मम मि उ
 डु य मम भू नं म पि भू ने वे डि व मम

३.
 ए.
 ३२

ने डि व भू व थ मम डि के मे वे डु ॥ उडु भू व
 मम भू उडु डि मम डि डिय मम मम
 य मम ॥ उ मे व भू क पी डु य उ डे ने व ल
 डु उ डि भू न य डु वे डुः के डिं क मल
 उ क मल उ डि डु ये न डि डी ये य मम म
 के मम क डु ने भू ये ए व मि म उ डु व न थ
 वः ॥ ३ ॥ डि व न पि थ डि डु म पी क य
 डु मिव भू डि ठ डि व डु थः कि मिव उ भू
 क लं सु क डु ठ व डि न म ठ व डु मम
 उ ॥ ठ व डु थः मम वे म य डु नि डि भू डि ये
 ग मम म उ डे डि भू ने व मम ये डि व न पि
 थ डि डु डु वः अः अमि डु मम पि डु मिव

७

३.
ए.
३१



३.
३६.

पनिभीलने

उव सिउेभीहृरुपेनडेउगवयेहं, क
 लयभभदस्य, भवेउभंमं प्रलभभवे
 सभयीभा॥ ३ ॥ इकुल्लसमभियसय
 भकउरुवभभूमिउनिभभाउमुउग
 लियति, वंसउगलपडिउनिएलैक
 रमापकुनिभेडिकभलिइभिवेकुद
 डि॥ सुपिसयभभकउरुवभनउ, डं
 उमुउगलीहृरुपेनडेउगवयेहं, यतीडिडि
 रुकुडविमिउभडिपडिडिउग, वंसउगेह
 कुउगहभःभधुः॥ ७ ॥ किभिवनलह
 डेवउउगधिवसएनैः, कलभपिकेउव
 सुपिसयउवचधिरडः॥ मिसिभभयप

३.
 ए.
 ३७

मोपउउवठरुभेभभकउभरलिभा
 रिहभयेभियसविठरभा॥ केउवहुह
 मपियएनभवनधिनउउडिकेभुपे
 गउमुगपिकिनलहउधएभकुरहुगीभु
 भपिहउउमसयेहभकमहुधडा
 व, यउधभभकउःभउउमकुयिरडभुग
 र्वेधभभकभयसवडे कसिमिभभय
 पसोपभभकउधपकभिन उवठर
 यवभभगुएउउधुलिभभिकंविठर
 भुपेभिकउभरलिहलकलिउः, सभ
 यभसयः, यहुहुमयेलिभभिविडुडि
 युगसुपिभडिपडलएव, यसेउभभ

६२

नियमकडुपुंममिहउंठगवतावम
मनउकममिउ। निगुगमिदिप्रउंठुडु
नेमभावेमनभासता। सुफंकेवलमि
हृयममिप्रयः, भायीयंमेकमिप्रभा
हृउमेकलिउउडुचमिमंडुमयमेवेमुउ
मेकहृउतेवेकुलनीयवउउ॥ ०९ ॥

यहृप्रवरभूरेहुउउभाःपीठएगभा
हृउएउवाकभाभउंठकभउःसकमि
उवाभिरः, उरापिभृदयमिभउउभ
पाकहृमीमिगंभुभवे॥ मेरेडिमंभागेउ
हुउउभाभुमहुःकभाभउंभाभूउं
डिभृदिडिलेकिडुकिः, वरुभडेविमुभ

उगभृमयउडुमडिहृमलपुनगुएवउवे॥ १०

ठिलमिउःभउउभमयनउपंभाय
भाकडुडिउमूलःमिगंभुभवेमिरभ
वभृनमीलाय, एरीवउवेएरीविउयभ
कयामिकीमसायडेगभृमयउडुम
डिहृमलपुनगुयपरभाभउमभहृ
गयउडुमगीमिपममिउउभृयनय,
उगवभृदलीयडुभा॥ ०९ ॥ केनभभृ
उडुडिनमनपदेमेयेनिपेप्रलएकः
पिकयउउभृएकभउउभृभृभृभृ
उभा, उमेभृभृयसभनेहृविभयभृभ
भृमउउभा, एरीवउवेभभभृवेकभमलः
मिहृभृमजपः॥ भनेहृमिभनउभृ

३.
८.
७.

ॐ ह्रीं कृष्णविमलभित्तमभयेकमेवेति ॥
 ॐ ॥ ०० ॥ विमलकविनकिष्किमिष्ट
 कवित्तप्रतिवत्तुं ममि, कवित्तविमल
 भुक्तकषमभुपिउषापित्तहमे ॥ कवित्त
 मिउत्तुमनेभलपविधकमिकंभद
 कविनकिष्किविपिप्रतिवत्तुंकिष्कि
 भि, यमभुक्तकद्विभुक्तुयैवह ॐ, उ
 षापिकषमभुपीतिउत्तुनेनेहमेनप्र
 ममेभुक्तमिहः, कवित्तउत्तिकमिभुपी
 मपिठवग ॐ मपीद्विपुमयमहवै
 यमभुक्तः, प्रुवत्तमपिभुउत्तु, पविध
 सुयमपिठविभुक्तम, कवित्तउत्तिकमि

[illegible][illegible]

[illegible]

निचिकुल्यठवमीयमजनभूतिपुल्ल
 भनभंभफइतभा।उल्लभतिविभन
 निफलयाभेधुडनिमवमंभिमभुट
 भा॥कवलितविकुल्यठमीयभकक
 गभुभुविकभितभनभंठितठं विभ
 लगीडिएगडुडुल्लकभालिकलभा
 इल्लमरितत्रिवडुनिमभुटंरुडभ
 भल्लभति,यमगभःमजनभुजनभु
 पिवितडुवभगगड,उगयिधुतिवी
 गडुःकलभगभुतिधुडंडडि॥ १ ॥
 ठगवठुवमीयभकयत्रिवभवडगव
 निठयः,ठवडुभिभुडभुडभुडंभुडभ

3.
4.
5.

यत्तिभिरुसंभवनमुनन्मभयेपये
 गेनभूमनेनपरितभुधः॥७॥यभ
 मभूमिवठवदुमभकृत्यउड्डः उभ
 धुवभूमिउंभविषानंउवेमिउभा॥य
 भुड्डमभूमिवनउनिड्डकठडिये
 गेनभकृत्यउडिविकृत्यभउं,मुड्डकव
 गवलेपभउंभभनलिङ्गभपरिगडि
 उभकलनगकथउभिकेडिङ्गभभुड्डः
 उमिउभिडिउवभइडिउपरिभडि
 कभभा॥१०॥ठगवत्रपगनेयेडि
 निउगभकुरभनमउभा,भुलठंभकले
 पमगियनंभुड्डभभुड्डिपिवयभभिकि
 भा

३१

किमभिभूतं भक्तलेपमयि न भव गत
 भव भुलभ भूतिमो उभा पितेयं, गारु
 दुर्मेक दुभउठवेयं, कीरु सनमो उभा निउ
 गभ डिमयेनाएक ईव रुडु भावे सठजेन
 उडु मिम पिठलेन मेठिल भेय भुडन
 मनेन विममल न भूगु डुल्लिक रुवै पगी
 डेन निचा एठ डि रुडु ॥ ०० ॥ इय निग
 रुडं भव केय मेड डेव उ, इमयं भभु धामे
 य मिहयं भभु भद्रुः ॥ यडि डि डि रुडु
 भूडि ठिठु विन केयं डेव इमयं भूडि ठि
 रुडं भभु धामेयं भभु भद्रु ड डि भव
 भभु रुय भडु भा ॥ ०१ ॥ रुव डे उरमा

३.
 टी.
 ७३

मिउं

किं

मिठवरुं भूडुव रुडु उयेव प्रलिउं उग।
 रुव डे उरमा भूडुव रुडु रुम भीमान रुवे
 इमभु उव ॥ रुव डे उरमा गिडु रुडु रुडु
 भिउं यरुवरुं उडु रुडु य भूगु डे नैव
 भूडु मि डि प्रहृउ, रुव डि उडु रुडु रुव उभु
 भूक मा डूने वरु डि रु भूक मा डूने वरु डि
 गभु भा रुवः मरु वभरु पिन रुव डि रु
 उः भूवः भभु उभव भु मि रुक मा डूने व
 भडु मरु व भु मि रुडु उग भरु मरु डि
 मये डि पः मरु वे पि व भु भने वे य रु
 वे रु मि डि भूडु ठि रुडु यं निली उमेव, म
 नेन रुम व मि न भजन रु प प डि भु मि
 उ ॥ ०३

निःसंनितिकलंगनिचुं कथं भवति म
 भा. केठेष्टुष्टुभी केयकुदुअमेवभवतः॥
 केकुदुकेठेपिगुदुगुदुदुभुभेष्टुष्टु
 कभविक्कलं नुदुअमेवमिदुक्कैककुप
 भनिमंभमनिक्कैपंवीउविभंनदुअभवत
 रंकेयभाकुदुभा. भभयेनिक्कैकुदु
 इमिनीइठगवतः परवकुल्लिष्टुभकुम
 उपवविकल्लिहेठवत्रमिदुपेहेनिधूउ
 भननुगमिक्कैइपुंभुक्कैयनिण्णभमे
 वयमिक्कैमडिठवचरभेसुगीभमेउःपू
 कुमरल्लरंभभनककुः किमविशु
 मयमंठवडिठुः निण्णभमिदुपंथ

कीमसंनिःसं
 वैयकगल्लुक्क
 मक्कैकुदुवि
 ल
 कुभा

३०
 ३१
 ३२

रभेसुगीपरठगवतीकुदुअवणदःपू
 इष्टुभुदुमरल्लइमिदुभभेमिडेवेमिः
 रल्लःभभनककुदुननिहंभंलयउभा
 द॥ ०५॥ मज्जनपथमथयउष्टुभभ
 मिठउभमेमकुदुअ. कल्लभाइकमिदु
 नठवमिक्कैभुनएउमिमेविभयः॥ मज्ज
 नपथंभभाकुदुगिमेमभपिधुप्रेमभठ
 इष्टुभुदुमरल्लभभुठउपभगमिनेवप
 भगमिदुभवधुक्कैवकंभिउडडिपावउ
 नउभंभाकुदुइकिंनउष्टुभीइक. क
 इष्टुभुदुमेल्लनभुल्लउपिक्कैभाइमडि
 कुदुःधुठुभेवेइमिदुमिधुविभयेनठ

३.
७.
७

57

क
 नभभुमिहृदिभ्यः कथं नउयेतिः नउ
 प्रलफतुयठगः भंठवति॥ ०१॥ स
 डिथगिभिउतुपभकं उंठं रंभुडिऊं प
 मुना, इमेवविमुतुपं निएनं सभप्रप
 मुयभा॥ उंउमिडियं कं मिडुमेवेडिउमु
 भूकमभनडेनडुपडउ विमुतुपभि
 डिभूमिपिब्रूकं डिभिरुप्रलंभ
 सिडिनिधुयं भंभडुपउयम॥ ०३॥
 ठवमङ्गगउंउमेवकभभनः पदएडीधू
 भऊभऊभा, भूडउकडिउमुनेउमभ
 भमेमुपविप्रदउपरेव॥ उमेवेडियं य
 भठिलभिउभऊंभनः पदएडिउंउंठव

मङ्गगउंमिभयडेनठउभडावेधुमठि
 लभिउभऊंकिभिडिनपदएडिउमठ
 रु, यमेवं पदएडीरुः, एवंभडभन
 भूडउ कडिः कमिमिमु विथाउठव
 उ, भभमथरेवमिमुनभुतुपलिभभा
 गडमुपविप्रदउ, मुनेनेउरु, भनभि
 यमरुमिपदएडुधुं प्रलभूषभभ
 एवभऊभुमिडि॥ ०७॥ मउमः कि
 लउउवठवठगवकेभुनेवमऊभा
 ये, मुपिकलिकमेभुयमगुः पविप
 मुडिठवठभः भऊगु॥ येकलिकमेभु
 यपिमगुभुषभठवठुडुयुऊरुठ

३. डि
 ८. टी.
 ७१

वनहृत्पागम्वरुधुभुमीयंमिद्वुपुम
 भनैवमद्वुधुकरलेकीलनरुसायभ
 धिभमगुथगिउःपसुतिभभविमति
 उमउमःभरुभुभुष्टेपिविरलचुले
 किकुडडुः॥१०॥ नभभडिउमेडिया
 नठवडिडुमिमुभयीभरुसुठभषेउर
 मृगवउवभमदडे,मृडेभिठवमडुकेकुवि यषउष
 भडुगडिडेनिमभरुगिउडुभभन
 डिपुधएडुवः॥ भवेभंलुननंभुषेभ
 नपमनपरभाउःमिवठकिभयड म
 भा। द्विडीयेनहृपागलंठगवडुउ
 डुभडुभा,यषउषेडिगडभडुमभ

वगिडेनकेनमिडुधुभभगिउभुभगीसु
 ज्ञनधुभैयसु॥१०॥ ठवमीयगठीरठ
 धिउधुभुडिठभभुगुमेठुमेधरेउः,उम
 धिउमकिरधुउभुभुवमज्ञहृभनंमनि
 धिरभभा॥गठीरठधिउधुडिउभुभये
 ठमऊडेनठभभनेधुपिगठीरठउरदधु
 डुधुवडेधुउवकेधुभभधुगःधुवधुडिठ
 नवनेलेपिनीधुलुभभुगविधदयेडेने
 मेउ,मृडेधुनडुगंडमिडिचुलेकिंकनिवि
 गभंठडुठवमज्ञयंहृभनभुमेउ॥११
 हृवदगधेपिभचमधुडिठडुभकल
 पाधभभा ठवडेवयवेयधनउभुडा

४०

३.
 ६.
 ७३

वरुणीयडंगडः॥॥॥मेऊकल'थेव
 कोरेपिठवडमिअयभुयस'वयवेऊक
 ल्देऊमेभुउभुसभंभूडिठ'उभूडिठ
 भडभा,नभनभुअयभविमिडभुडा
 वभायमिडेउडेनवरुणीयडंगडः॥ १३
 भनभिमुरभेनयइउइभुसगइभुअभभ
 गेसरेभु,भुभुडेभुवलेलाएवयभुइमि
 मद'गाउरःभरुठवेयभा॥यइउइडि
 केय'मिविभयेभुभुभुडेपिगुफे'भुय
 डेपिमवलेलेलभुएःयभुइमिमद
 इमज'उइमाउ'एवभरुभुभाएवम
 वेठिउरुभः॥१४॥ठगवठवमिमुये

३.
 ८१.
 ७७

वरुभभुवरुभेभि,थरभुन'सजि'क
 सभभउस'पिवइविभुंडवपसुभिनए
 उमिउभेउड॥॥ठगवमिमुयेवेडिअवक
 रे'भुउइउभ'क,उस'थीडिअवभपिरु
 भेलभुवइविभुंभुअंथरसजिभ'नभा
 एभडडिइइ'न'वभुमिउरुफमिभुभु
 रुपःएडिडिकममिहुइ'नेनपसुभिन
 भ'मयभि॥१५॥भभुइरुभुंभूडियठ
 वउंभुइरुभुप'मवलेकयडि,उस'भदे
 किंउरुभभुउंभु'किंभ'पनं'व'दलिउंठव
 उग॥॥भभुगइरुभुठडिठ'लेइठिडःभु
 इरुभुप'मिडिविभयंविभयभ'भ'इकिं

मजिप'उभु
 ४/

उमिडिउनेववठहंनवकुंमहंकिंउरूय
 नमिहभुडिउमभुहभ॥७७॥ ठव
 ठवउयभतुठवमुवेनभठव, उषनकि
 डिमधुभुनकिडिमुवेउहृष॥ यठव
 उहठिणीयउ, उमभहृमयउठववि
 मुभनठउ, यमुनकिडिमिडुमुउउउ
 मयउंविननकिडिमु॥ ७७॥ यत्रकि
 डिमपिउत्रकिडिमुधुभुकिडिमेवभभ
 चषठवउउवउठवमचउठवडिलव
 प्रष्टिउः॥ लेकेनकिडिमपीडियकि
 डिमेवपमयउयकमुउउमभनकिडि
 ग, मुपिउभचठमभयंनकिडिमुवउ

३.
 ८१.
 ७.

यडुपमयउयठिभउंकिडिमिडिठह
 उउमभकिडिमेवउभभउंभनठवेक
 भठिकंरमुभचम, मु, यमुलेकेकिडि
 डिमुनंमुपंयउमभहठिहृनत्रकिडिउन
 ठडि, याउठमभयभवभुनकिडिउमय
 हभेनकिडिउनभुगडि, भभाउनकिडि
 डिडिमुकिडिमुवमुलेकिरुवडिपदमे
 भडुमिहउः, एउवउठवंमुमुपःभ
 चउलमुमुप्रष्टिउमुठवगीडिमिवभ॥
 उडिउरुमुनिवेमनभनिमुमममुइवि
 वडिः॥ ७७॥ डिमुममुइकउगमिउ
 मरुमनविमिमुंमडुमुमुइहठमः

मुठिणीयउ

४२

ये

॥

उरुय भूयेगडुमिगिडिमंष्टुप्रभुकेधुम
 सुतेभवतीवडुवतेव, भद्राहरेमि
 सुगंभभविमुमुनेपिचलवडुंभुगडु
 भठिभुपीठहृप्रुडिठउंभुविहृभुम
 द॥ उंभहुदुल्लभायकुःपलदल्लंभं
 भूडिभुडभिमंभुगभूठे, भोष्टभेभठवड
 भभगभःभभिनविगफावकुःपिपड॥
 दभूठेभंभूडिभुडंनडुहृकभुपिभु
 रिउंभहुदुल्लभहुधेल्लभायकुःपलदल्लं
 भुगभूठेहृभभुल्लभभभवेसभ
 ल्लवधभमिउःभभभुपीकभुयल्ल
 किठधभसभभुगभभुधभवडु उल्ल

[illegible]

मिमंभुगुपभित्तमपीडिवकीडव
 म्भेममिपडडूडेवमेकयपकमि
 डडिभुगुमपिडं पमिभिएडुंभभवड
 डडुडविमभंमिमयंभवभूमीयं
 भुपंनिमलंभूकमयभूगय॥ १॥
 तडेरवमभधमभिलमिडमिहफ॥ ॥
 डवकेवप्रमिविमुनिडुगेमिडुयवमभ
 यनिगहये, डिभुडः मडडभजडः भूडंणीवि
 डंभडभमभुमभुमे॥ यडुकमडडडुक
 मडुपभेवमडुकमिडभदडि, भूकमभू
 मममकलमिकंभूकमभनडडुक
 पमेवमभुमकंनेपपडुडडडयभिमं

विम्वडुपडं, मिमलकमभनः भुपेनिग
 डुयविनमिनिडिभुववजमभभकेमने
 वमभुडंभभडडिकडेमडगेडेमनिड
 भूवडडंभुडः, मिडिभुडडुभिलठः
 भुजडमेकपमभजहपुडभ, तवभुड
 गडुमिडुनेमिमूपडमिडिवडभ
 नेवभुविमयभनमभभुनडि॥ १॥
 ननणीवममिडुभयेठिभनमभभुकि
 मिडीभुडेडडमडुकडुडुपेवभुडभ
 ठिभनेभुलेकिमभभूगयडडडुड
 तवडडगभडुनिगठिभनिडपिनक
 मिमिडिवडुभभूगंभुगेकमभभेवडु

१॥

४५

॥

३.
८१.

७३

मंठ

पवचुडिउभिभुठगेभिकेपरः, भडू
 मेभिएगडीडिमेठउभानिउडमत्रर
 गिलःपरभा॥ डमत्ररगिलभूडभवे
 मेनभूभुडमेडअपरमिडि, उअवनउ
 डूकमेगपि, गंअःभवडभुडरेफभा
 भुफभवेडुपवंभिमडूनभूकमःउतभ
 डुपेल्लयुडःपडुभभुडडूमिनीभूड
 भडूडयभुभेभिम, भुठगःपरभाननर
 भेल्लुडूनभवभुभुडनयिभिम, डकिं
 वडूनभडूमःकेथगेभिनकभिमिडा भये
 वमिमडूनविभुभुडभूडभूडगडा उडी
 मूनीभानिउभानिभानिडुमेठउमीभुड

३.
 टी.
 ७७

पुवचभुनरेडुडुठिभडभडूमवडी
 भविकुल्यडपिभलितेव॥ यमेध
 नपमडुछुठुःभूमडिकेभुडिः, डउ
 भुविकुल्यनंवेभुभुडभुडुभिगडि, ४५
 डमत्ररगिलियडाएवंभानिउपिमिठउ
 उडः॥ ५॥ मेवमेवठवमडुयभडुए
 डिभंकरल्लभुएभन, उडुभभुडप
 मडुभंविभभंकरभभनल्लमेनेमिडभा
 केमेवमेवमेभपिपडेठवमडुयभडु,
 एडेभुमेडनभभूयःभंकरल्ल
 लभुएभययउययभभुडनंमिड
 कडूनंभमडूनंभंविभभंभभगीभु

४५

31

प्रएनभदेइवेधि, भदेइवमवेन, इउ
 भुधमेयडभभुवमवइनभुभभह
 भुभेमनिठवडं पुनडि, भुवठवउडडि
 भभ, उठवउभुमीयाउठवकह, पणउ
 एउमेवस्त्राभभनमुफ॥ ॥ यहुष
 भिउपमउमज्जनंयुभमज्जनभदेइव
 ज्ञयः, युग्मेभउमिउउउग सुयंठजि
 लिधुभमविष्णुभुउ॥ यषाभिउनंमि
 मइनंपमउनंमज्जनंविनल्लुनंनकुम
 कुयप्रएभदेइवभुंमविननयषाभिउ
 वभुल्लुनभिडीमंकुयंउउउउग सुयंठजि
 मलिधुभमविष्णुभुउ, इयेवभुठयभ

8

३.
ए.
७२

୩.
ସି.
୭୪

नाय.

३.
६.
७.

येके किमतिपाउउडुभवे, मज्जेनेम
भुवभभवेमपुनपउभाकडुग, उध्वे
मनेनपाडिउठएनीरुडः थमभंवद
नकडुमडुमतिभभवेमकडेकये
न, मउरएनेकुलेकिकेसुगडुः पूस
मेव॥ ०॥॥ मिथालभुभिवपुडुभठिभ
पयिउभाक॥ ॥ मतिपाउमभयेवि
मउरएपुभीमनरुगेधिकदिमिडा,
पुडुभं पुडिकिभागउंयउः सुपुकमन
विणेविलभुमे॥ पूपुभिडुमिउभाउंस
उडुभउभा सुउडुमतिपाउडुभाउडु
पभा कदिमिडुममिडा, मडेडिभभवे

धुउगुलडुनिमतिपाउकिभागउभिडि
काभभुकरेयसिमडुकसुडुनिविणव
वसुकदेपिविलभुमे, पुडुधिकलके
पंकुरेधिभठुसः॥ ००॥ पुवरपिठग
वडुभवेमसंभपरउक॥ ॥ उडुउडु
विधयेव दिविठउडुगीमपरमेसुगीय
उभा, डुंएगडिउयनिठुंभमलेकये
यनिएधणिप्रएउभा॥ वदिगिडिव
हुनीलमवउरेभापडेमविठडिभडि
डुंयउमेसुदपरमसकुयउंनिउमभ
सुभा पुगुलगायेन विसेननिठुंले
कयेनभकडुदभा, निएनपणिन

धुकमम

४४

य

३.
दी.
७७

[illegible]

भुविभयकुतेभयकिङ्किमिद्विपथमथ
 डिउंउमीयतुपभ्यजमिभ्यजमभुविधि
 नभंविभुभुविकल्नभंविभुपथे
 उभि उभभभुंमभुडिंमभुगद्ययडि
 विउरडिउनयभुपथभभुवभुभु
 भुपेउवभुभुभुयंभुभुभुभुभुभु
 नवनवभभवेमेनमलभानःप्रण
 यडिउभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु ॥ ७२ ॥
 ननभलिनेरुःकभंभुभुभुभुभुभुभु
 मभेभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 भुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु ॥ ॥
 भुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु

भाधभिपुपभाभाधना, यकुयंनिलरेमे
 नथन्तमेउरुभल्लभडिठवभडलभा॥
 सुरुनमिन्नयेनभुगुठभभनेणीयलं
 विसंभुगयभिविकसुअरुभुषासुग
 लनदल्लयमि, उषाअपुपभाभाधवि
 एंअपुपंमभुवविणीयलंविस्वभाभा
 धभिपुअरुनेननदप्यनंथएयमि, य
 सुअयंनिलेनमिदुभेनथन्तमेथन्तड
 उरुभल्लडयभदकमे, उरुवभडलभापीय
 लंथमरुएउंभभल्लभडिमिदुभवमी
 लडि, एवभनेनविस्वभुठेकभारःथरे
 रमेमिडभुडिभंदरभनहनेसुडिया

येविकल्पमिहमभुमभुलं पञ्चमीमनि
 यिलंठवकुभः, भुपञ्चपरिप्रति
 एगइभुनिहभुपिपनः कउठयभा॥क
 गंसभुभुलंभुभयएउभविकल्पंठकु
 कचभनमिउकुभुपिकेगलसीठिगवी
 यभकुवीदभुहयेयेगिर्वेठवकुभुभि
 कुपमेवठकुपञ्चउउउल्लमेमीलननिभीलन
 भुउविभुवकुभुकुगि, मभुभुपञ्च
 ल्लमिमेकेपपिउः मभुभुपिउभुठम
 भुपमिउएगउठमविभुभुलन
 विहभुपिपनः परभानभुपनभुठउठयं
 नठउभुमेवेडियकुभुभुकाउउउवपः

अथ यत्तु मल ठा मालि न ड डि ॥ १० ॥

उभ मेव सुय सुभिं भु सं भव क ॥ ॥

क ठ के विनि विभु भी म ड क ल कु ए

म पि मे भ क भा उ भा । म धु पा उ म भा उं ठ

व सु भ ठे रु व डि य मि मे म ड न मे ॥ क ल कु

एं भ क वि भ म पि उ क ठ के विनि विभुं

कु म ड म ड उ ड य भि उं ड रु ठे मे न भू स भा

ने मे भ क भा उं प र म ह धि भू रु ड ग ॥ उ

ऊं फि वि भ म धु भा उ य डे डि । म भा उं तु

पा उ म पि ल कु म पि य मि रु व सु भू मे ठे रु

व डि मिं सु य रु म म भू म रु डि उ रु व भू

व सु म रुं ने मे ड न ठि ल ध भ सं भ मे डि

य व ड ॥ ०१ ॥ त व भ सु य म भ वे स भा

इ नि भ मे मि डे रु ने भू व क ॥ ॥ उ डू ल ध

भ य रु गी डि क नि ह य रु व रु ने प मे ठि

उः । भू भ ष पि ठ व रु ज न रि य भू य भी

ध रि ग ड म यः म रु ॥ म भ वे स वे व सु

म रु डि भ व न भू सु व डी डि भू डू ल ध म

यी ठि रु रु व ग ग ठि रु रु न रु रु ठि रु

पु र भू रु ग ठि नी डि क ठि डि ह य रु व

म ने ने प मे ठि डे डि भू रु रु मिः भू भा

सु ष धी डि सु पि म ह य उ म डू ड य ठ

रु रु न रि य ये व भू य भू प र भ व रु रु

य ध रि ग डः श्री रु उ सु म य मि डं य भू

उ.
ए.
०००

उभयपुत्रिगः मधुसुतमुसयः सुपुंये
 नउषादुतः मरुभुभा ॥ ०३ ॥ नउमलभ
 भवेसमभकुपेपिकिभकुंयेकुयः मभा
 वेसाककुपेभीडिमहिदेवद ॥ ॥
 गंदिउंनवउपागेभसुंमकुउगयिउंउ
 ससमे, मडुमभुभाउनिठुंवप्रः सुंनपा
 उभउमहउउषा ॥ परमेसुंमभुवीदि
 उंवलभिउंवउ सुंदगयिउंकलयि
 उंनसकुउ, उषासमेभकुमभाउनिठुभा
 नउप्यनंवप्रः सुपुंयेपाउंमभियिउंमउ
 मपिपुभामीठुउमपिउंवेडियषाकुमि
 निचिरांभाउंन, उभउउंनकीकेडि, ५

३.
 ६१.
 ०००

ननुइंनकुभिभवपुत्रयडीउउयभासकु
 ॥ ०७ ॥
 उकुः, यडावंउउः, उभगायभविकल्
 भकुयंभसुपुभयिलउप्यभुगभा
 सुविमत्रकभुभेमभवसप्रएयेयभठि
 भंसुवीयम ॥ सुगायभपरिछेकुभविक
 लंमिहुपभकुयभठेकुभां, सुंभवभु
 मीयंभसुपुभयिलनंभउसुभयानभ
 कुनंभभुगभकुमीलं सुभविमत्र
 कउमेसथगठइरिकभुभिवदंभस
 प्रएयेयं, भप्रएकुभगल्लयउडिभि
 उज्जेययंभठिउः मभउकुभुगठेकुय
 गभज्जभगउयभुवीयेमेडिमिवभा ७० ॥

३.
ए.
००३

चमचगीव ॥ प्रचल ॥ भूषभभम
 ३॥ ^{सुय}भसुयभरडभूषनयैकेरुडुडि
 सूडिरभि, एकःभिवेनउठमवमभि,
 इवकवःपचडीपरमडिःभवेभंगी
 च ॥ ^{मेव नं}नं प्रचलपुडुः ॥ ३ ॥ एयईले
 कनमैकलपुनलिकलेमन एय
 पीउडलेकडिकलकुएडुकवर ॥ ३
 लेकनमडोएकभसुयभमकभलेकि
 कंलपुनभलिकलेमनंलनएवेउं
 यभठगवसुडिगेके ॥ वृष्टेचभपेच
 लेमन, उमीलनउ पीउभडलेकनं
 भवेभंभुगभुग ॥ भडिकेउडुडु

पंयङ्गलकुपंउरुङ्गकङ्गयभु कल
 कुपभातिउपउयेङ्गुङ्ग, प्रममकलकु
 एगलेङ्गनठगवडःभवमंङ्गगडिङ्ग
 डंअमुडं॥ ३॥ एयप्रउडिमङ्गङ्गमिउ
 मुलेल्लभङ्ग, एयेङ्गुभाङ्गमिङ्गङ्ग
 एङ्गमङ्गभुए॥ अउमिङ्गङ्गङ्गङ्ग
 डियाङ्गुपःमङ्गयमुङ्गयभु, उषाङ्गु
 नमिउनमंभाङ्गमुङ्गकेनमुलेनेल्लभङ्गः
 धालिङ्ग, मुनेनमङ्गिङ्गयभुठगवङ्ग
 पीनङ्गभुङ्गभा, उङ्गुभाङ्गमिङ्गङ्गः
 येएनंयङ्गंभङ्गमङ्गउषाङ्गु, मुङ्गावभ
 एङ्गमङ्गभुएयभु॥ ४॥ एयमेठम

पुपुग

३.
 ८.
 ००३

उअङ्गिलिङ्गङ्गवभुचर, एयैङ्गएङ्गिङ्ग
 कीङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग। मिठःभुङ्ग
 मङ्गङ्गङ्गमयःवभुःभुङ्गुपं, मुलेङ्गए
 एङ्गवएङ्गिङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 भुङ्गवङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग, उषाङ्गुङ्गंमिङ्गयभु
 ठगवडः॥ मिङ्गमिठभङ्गभुवगीउम
 व॥ ५॥ एयङ्गीङ्गङ्गपङ्गमुङ्गङ्गङ्गङ्ग
 मुलेपन, एयेङ्गुभाङ्गमिङ्गङ्गङ्गङ्ग
 किमङ्गङ्ग॥ कीङ्गङ्गङ्गपङ्गभुभुङ्गउय
 यंङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 डीङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 भुङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग

भीट

मङ्गुङ्गङ्गः

नंरुभूरिगिडिहगमः॥१॥ एय
 कपैकमीउंमुकलभमममंमुय,ए
 यगलभमममविस्सुदठिमेमन॥
 मययय^{भा}पुदभनभुगकष्टःमीउं
 मुकलयाःभममेवपुठेठगवनेवमं
 मुयभुष्ट^{भा}पैकमुपडग ममुकल
 यगिठगवडावेउडभमउंउवभमुउ
 गडयभमममविस्सुदठिमेमनंयभ
 उडुमिकैवहुभे॥१॥ एययगड
 मंभदभधवनीठउगेठल, एयठमि
 भमवहुगेभीनियउभविपे॥ मयय
 डंभमभुष्टेनपविरीठउगेठलंयेन

३.
 ए.
 ००३

ठगवडवभवाकनेनयेवभठःपहुंम
 धुभुउभजरेगेएउपविउभविगीउं
 ठमिभमिगवहुयंगेभुंनियउेवसं
 ठवीभविपिद॥३॥ एयभेसुउ
 पेवमविभूलभितवलिम, एयगे
 गीपमिभुदयेभेठगुठएन॥भेसु
 यकीठमुपयकउउउभभवेमनमवि
 भूलभितवभितवलिमयेनकीठ
 भेउठगवडएभमिविउंयउभुव
 वहुमिगेभेमेडकिचिभमुहुमिडिभु
 धवःभिहुमिडिपरे, डमभउमुगव
 उःभहुमुपमिडिपरे उमुभमुगवउः।

२०
 ५१

अउमिद्वभभुवंपुपडउपपडेः गी
 गीपममिभुद्विभुद्वयेपुभुभेठण
 भुभचभुद्वीयडुभुठएन॥ ३ ॥
 एयठजिभभुद्वुरेपयनलभद,
 एयठजिभभेदुभठजवदुडेभिउ॥
 ठजिभभेदुदुःभभेगलिडेयेठव
 सुमयभुद्वेपयनंठेरुनिकउल
 भदएसठिदुभभदुगिना ठजिभभे
 नेदुभभुलिडेयेठजभुमीयेनवदुडे
 नुडेभिउ॥ ७ ॥ एयदुभभेवेसभुठ
 वभुठवहय, एयलेकेसुभेनीमिरे
 पिपडसभन॥ दूभभेवेसभनंयः ५

ठवःभभुभभभहंउभुभुठवहय
 दूभभेयडः लेकेसुभेदु उदुभि
 ममलेकपालभलयमिभभविपुं
 मभनभभुयभ, पभभसुभभुठवठिठि
 विदुभिठिठिठिठिभुयडेउडिमउमंभु
 गभेजयभुति॥ ००॥ एयभचएगदु
 भुभभुद्वुरेठव, एयदूभभपदउवि
 सुभभभेदुसुभ॥ भचइएगठिदुभुय
 भुभभुयनभभभुनद्वियमठिदुभुभ
 दभभुवदुपयभुद्वेठवंठपकठंवि
 उडंमयभुयभगभः॥ नमदूभभवदुदु
 म्भुद्वेएठवःकुमिड ठगलिदुदुडं

भुल्लुडिभनकिः

३.
 ए.
 ००५

[illegible][illegible]

三十三

3

विप

कुभाउव सुठअमकउकुगिर, ठगवदि
 लयसक्तिपाउनदिपापिधुठगवउंनि
 मति, उकुपेएल्लमफउहंअमुउ,
 एयकधुउपःलिधुभनिमेवमुगभ
 म, एयभवमसाउठठकिभल्लेकले
 किउ॥ कधुउपःलिधुभमेवगभुव
 क्कमिठिमुःयेनभमुउ, ठकिरेकेव
 उरेथयउहक, भवभुएगुमिमिम
 भमुउठनभुगुगएउठठकिभल्लेके
 लेकिउभमहउः॥ १० ॥ एयअ
 भमदुभमपरीरुउनिमिउ, एय
 भुधनएनउललनैकधुयेएन॥ ॥

उंउंदिभुका नमेगे
 नउभेनकाउहमि।

उ.
 पी.
 ००७

पउभानमसाउअभंविदुभमपरीरुउअम
 भामउएनउंभुभिउनिमिउमुभिउठउ
 एनेयेन, ललनं, उभंनिहठियउंनं
 येगकेभेवकभुफाभिउभिउ येगके
 भेमुफः १० एयभनभिउिधुंभकउ
 लेकधमनक, एयठउभमलेनली
 लेइलभकेइव॥ भभुमिकरं भमभ
 भिविनेमयेडिउयेनेकभेवधमनभउ
 भंमगिउंयभुठठिभमनभभवसेमुके
 वमुलेलभुफनीयहभुमलीलीध
 विभनेयभुउमकुउभेइलभेउउवभे
 भमदुभमभिनेभकेइवउपः॥ ११ ॥

ल

एय एयठ एन एयलिउ एन एयभ
 ३ एय एयगलेभू एय एय एय एय
 एय एय एय एय एय एय एय एय
 एयठ एन इमि रूथ डेन भवेउ भड
 ३ भडन मि रूथ भेभर भव भुउ भवे
 इरुव डेन पि भडने विभय हगुउव
 भयं गुकि डेन इरुव भुय भेव भभुणीरु
 ३ इरु भडन भुय एय डिने डरुः डरु
 डय नयार वेमि ड डमय न भुउं एयठ
 एने डि डय नय उरु भय ड भेवेभरः भ
 वे डेन वउउ, डे एय इमी हडे व, भय
 पिव उउथ रठउय भडनय विष्टा मि सुले

[illegible]

निव भा ॥

44

नान्नलयति योऽहं न शिर्यये गमद प
 सनुपगुत्तः पयमे सुगभुस उद्गगा
 सुधमभुत्तमसिनेहा एरुयेधि
 भति, भत्तः पुनभुत्तग एव उद्गगा
 यत्त एव उद्गगे गिनः पत्तिः सुभु
 सुत्तद्गगा भुत्त उद्गगि मवत्तुये एव
 भा, उद्गगे गमे कडमि सुत्ति उद्ग, भत्त
 विद्गभनेये गभि उद्गि भुत्त ये गिने नि
 हभभवे मभुः पुसं भयं निद्गये गेम
 उद्गभुत्तः सुनेन ये गप मनि भुत्तमे धभुत्त
 पत्ति उद्ग विद्ग पम शिर्य पम भत्त
 उद्गि मे कं उद्ग विद्ग पम न ह्ये उद्गने उद्ग

५.

पायद्गं न गमति, मिव सुत्तु पं ह्यन ह्युत्ति
 ह्यन भि उद्ग उद्गये पयद्गं मि म न ह्य
 न सुत्तु प वि सुत्ति भत्त उद्ग मे कं सुत्ति य भति
 पीयते ॥ शिर्य पं न पिवी द भत्त भत्त
 उद्ग मि उद्ग क उद्ग उद्ग पयत्तु प उद्ग पय
 इ भवत्तु सुत्तु इ वि भत्त भत्त एव शिर्य भि
 पीयते, उद्ग भत्तुं भभ सुत्तु सुत्तु म
 क उद्ग भत्त भत्त पय भत्त न ह्यन मभुत्त
 मि भत्त उद्ग भत्त वि भत्त भत्त पं वी दं एव
 म वि उद्ग भत्त उद्ग भयी म भत्त भत्त
 भत्त उद्ग प उद्ग इ वि भत्त मत्तिः भत्ति
 भत्त उद्ग पय पं वी दं, सुत्तु उद्ग वि म

[illegible][illegible]

यथां उपमो वरुण एते हे वरुणा वेद
 ३: ॥ ७ ॥ न विरजते न मा धी मे भेद क ह्री
 इमं जकः उवेयमपि तु विरजतु भव
 रमेजकः ॥ विरजते भूय विरजतः रं मेव
 विरजियतः भूय विरजतः भूय विरजतः
 मिहेन इमं जकः मे भेद मा क ह्री उ ए व
 रुजते न उवेयं मा भुव मि इतः अपि तु वि
 रजते लि उवेयं भव र मे न मा भवे सम
 भद्रुति भूक मे ले न म उरुता न मे उवेयम ॥ ८ ॥
 वरुण रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 भीम रुति पीय म र म भू र म भि उ म
 रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया

284

३.
 ८.
 ०९३

पापव रुमये वरुण रुमया वरुण रुमया
 रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 भिन य भू रुति र व प र म रुमया
 भक रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 रुमया लि न न मा भी उ व व र ॥ १ ॥
 य म य म रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 भूय रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 न य म य म रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 भूय रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया
 रुमया वरुण रुमया वरुण रुमया

३

भुव

मपि कश्चिः, मेरुतपमभेदमभुव
 मुक्तिविश्रुयः ॥ मधुवृमपि
 कश्चिः ३३ निलेके हउंगदि ३३ हउः ॥
 मिले छपि छक मि प्र वि सु य म म
 पि भूरे, ठव मुक्ति भेद भू ले र ए र
 ए म पी म उ ॥ मिले छ भ मि उं मिल
 भा, पि छं प रः क मि भू रे ए र म म
 न मिले छ पि छ व क मि भू भु र वि सु
 य वृ मु नि ये थं उ ए व भ डि क म व उ ये पि
 य उ ठ व मु क भ भे भू ले डि मी भे लि
 उ म भु य भु उ र ए र ए व म व म पी
 म उ, न सु रे ३३ ठि ठ व ती ह उः ॥ ३ ॥

भुयः कृयं ठ व मु कं ल ० उ भू र क क ॥
 म उ भे व वि ठि म डि क मि क भ ठि उः भिः
 भुयः प र म न क र मः सु कृ भि क ठ डि
 भू भ वे म भु र ल ० उ म भु कृ क म न क र म
 ० डि डि ए क उ भू र क क ॥ ठ व क व भू भू
 लि प क ॥ म उ भे व न उ र कृ न क भू भ
 मि न के मि मि डि प र म ये गि न भू भ ठि उः
 भि उ, म उ क डि क म व र कृ ए व वि सु
 उः ॥ ७ ॥ र क पी यं व क नी यं व क म व
 मि कं भू रे, मं भ र मु न डि क रं ठ व मु क्ति भ
 क य न भा ॥ र क ॥ कृ कृ न न प क रः व
 व नं क भू भ म भु र व भू रे म न भू ठि उ उ प

१४३

उ.
 ली.
 ०३५

282

७.
ए.
०७५

लभकडभाफड, हउवडुगेवमवे
 गढीकगड ॥ ०३ ॥ किमियंनभिदि
 गडलकिंवभासंनभोएभभूवडि,
 ठठिरुपमीयभनमेयंमभुःभमउगी
 ठवडि, सभेठठठिरुपमीयभनपरं येयं
 परंभूभभयभमउगीठवडि,
 परठठिडुपडभभमयडिकिंनेयभ
 डलभिदिरपिडुलैवपरैवभिदिः
 भासंभोसंपरनंरकिंन, भभडा
 डुवडिभूवेडेवेडुः ॥ ०३ ॥ भनभिभ
 लिभमीयभडुठठिडुलिलडकभू
 भो, ननिएनपिडुडडनधेरुभयडु
 भंविडुल्लोपन ॥

भलिनेदुङ्गनकलङ्किउभयदुङ्गनसु
 मिउउमुङ्किउवभलिलडभवभिमिङ्ग
 अङ्गमापनिएङ्गएन। उनिडिभ
 मलेकिङ्गना भवेमेनभुङ्गिउना भवकङ्गपङ्ग
 परभानङ्गभयना नउभिङ्गलिभामि
 दुपाना किभियंनभिमिङ्गउलेगीमनी
 भवेङ्गङ्ग। ॥०२॥ उङ्गिङ्गवडिउवडि
 रिलेङ्गनयेनउभभिमिङ्गः, किङ्गलि
 भामिकविङ्गङ्गङ्गवउनेडिमिङ्गभा॥

मलेकिङ्गना

28

उ.
 ए.
 ०३०

वङ्गउउउगपिमिङ्गङ्गमिथङ्गभुकभुवक
 भेङ्गमुङ्गः, वभयउपिविरुङ्गव
 भवङ्गेगिनेनिकएवभिनेमिलना॥
 उङ्गमडिमीधुभमिभउउल्लभउभु
 भुकभुवकभुमिवङ्गभुभुमुभुभु
 येषं विभेङ्गभभेमेयेगिनंउउउकिङ्गभ
 एनेनपिवभिङ्गविरुङ्गवभनन
 सुभुनपिसुमिलनिकएवभिनेए
 नवभयडि, उरुयप्रलेङ्गपङ्गभरु
 यडि वङ्गेङ्गभुकभुभुवकः सुउसुङ्गभ
 कावभुवकः भुवकभुपङ्गङ्गभुभे
 ठनपिवभिङ्गनिकएभुविमिङ्गभे

एवंभेङ्गभभेमेसुभुङ्गसु सुवमउ
 कङ्गेनङ्गभुक

220

३.
ए.
०३१

[illegible]

ਖਤੁੰ

निःसंभमममतिः उरुवड्डुयेववि
 लीनिकुयमिहः ॥ ७३ ॥ भंभग
 शुभदुरःपयउरविविषयपिभु शु
 नयधिरुगनैवेयकुययमपिभुपम
 कुहउउवेमिगय, उंहुमेभिरुः
 समिपयमरु उरुतिकउउभाभु
 मुक्तिमेडिउउरुमपमिभकभभ
 मेमीउमीउः ॥ भुदुरःरुमुपुपुपद
 उःरुगउडिउउभाउवेविवकिउएउ
 ककमिउ सुभ्रीडिमेकमिभुभउउ
 पःयउभुममिपयमरु उरुहुंमम
 क्रिपउरुकउमीभुंभंविदुयनंमुडावेउ
 भांभुपुंयय, उरुउमेडिउयउउ

२७९
 निविषे
 ३.
 टी.
 ०९३

पिडुभेवभेवभनः, उभुमेमीउमीउः
 मसुडीमरुभभनः भुयुयभयीः
 कविडिमिवभा ॥ ०७ ॥ उडिसीभक
 भकेसुगमाहवेहुलमेवविमिउसे
 इवहुंमिउभुनभनिपहुममभुइ
 विवडिः ॥ ०५ ॥ उिनकिडिमेवलेक
 नंउवमवरलंभुडि, नकिडिमेवउउ
 नंउवमवरलंभुडि ॥ उवमवरलंभुडि
 मिमयउउउपवर यलेकनंभं
 भगिलंनकिडिमेवपिउविमुभेव
 पदउभभभुमकिमइहभेदिउउग
 उउनंउनकिडिमेवनेवकिडिमिउ
 उः, मिवउउपदउभुमभभभभभ

ककपु
 भवभेवठे
 केन

वृव

लयउय भूमेयीनउडउ ॥०॥ सुध
 पायउभभूः महुनेधिविमेभलैः
 ठकिठ संठव नङ्ग महुमुकुवठ म
 उ॥ उपायउभभुउमुभुके सुनविया
 योगमह मिः विमेभलै भुचहुडम
 चकहुडभचमकिभयडु मिठिभंभैः
 यवेउभपिभचमिडिव मः कयेगवि
 उमिमउमहुउठव ठकिठ संमहुङ्ग
 उउंमुहुमिमेकपरभङ्गः सुवठ भउ
 मभवेमेनभुगडि, यमुउभभूः सं
 ठलमुभक संमहुमुहुमुठगीडिविगेय
 सुय ॥१॥ एयउपिफभउउलिउ म
 पिफभउिम।

२७८

नङ्ग

उ०

ली०

०१७

ठवमुजिभुयपानभङ्गः केभेवयकिठे ॥

एयउउडिठम भमीकरल नभभवे विमउः

मेहफभउिविकभउि, लिउ सुपीडि

मुहुवेनठ, सुभाल सुपिभभवेमभं

भुय सुफि सुविकभउि, लेकिरएय

परएययेदभउेवभङ्गः केव सुए

यपरएययेदभउेठवउि केपीह

लेकिरः ॥ ३॥ सुधुकेभेवभिमुय

भेवभुमुयव पिउ, सुमिभुपरकभु

पुडमुजिरभउिउरः ॥ सुधुकेभभवेम

ठकिरभगकिउठठ, उरुमेठेगभेकी

ठरुव मिचंभुमिभु निगडिमयमभहु

सुधुमुधुमेवमुधुं रिया विमेभलै भा

दुधुव सुधम
येभउः

म

^{१११}
 गेएगमपिउरुम्भ, यभूङ्गभवेसरेभुन
 निरुंभन्तंरुङ्ग, उपवसुभूङ्ग निवडिः ५
 यमैवहूङ्गप्रवेयंठवमुङ्गिरेभम, ५
 टिउभुङ्गमीसजभापवपिप्रष्टु ॥
 मुहूङ्गप्रचडिण्णकेटिभेष्टुप्रविमि
 उः मयभिडिभुङ्गमुपेठङ्गिरेभःभ
 भवेसप्रभरः रंसानभुङ्गउडुमिडि
 गगिहूङ्गप्रवेयमैवेष्टियंभूकंरुंभे
 वएनभीहूङ्गः ॥५॥ भेहूङ्गवर्वहः
 भूङ्गप्रभेगिभुमे केवलंभउमकेपि
 ठङ्गवेमैभुमेभम ॥ मुडिभूयपि
 मदमियभुङ्गिः, मुहूङ्गिठङ्गिभूङ्ग

डेहडिगिङ्गः भउमकेपीडिवगिहूङ्गमी
 उः ठङ्गवेमःभभवेसवेवमुभा ॥१॥
 ठङ्गि, कीवेपिठ, प्रेयंठव, यत्रमयीयम,
 उमकेभयंरुंमरेयंममिवहूलभा ॥
 ठव, यमंभगायठ, प्रेयंगु, भूङ्गमंभ
 गभवलेकयेयभिहूङ्गः, मुत्रमयीयेडि
 कषमियउंकलंह, भूङ्गउमभिडिपम
 डपभत्रठवेयभा, कमेयंभूमेरुविक
 मयभा रुहूभात्रभूभुङ्गः, भूङ्गरेय
 भिडिमिवमिवमडुभापरःभूभा की
 वभूवभवन, यद्युम्येठवडि ॥ १॥ वि
 धमभुपिभुभुपिभूङ्गवपिकमवपि,

277

उ.
 टी.
 ०३.

मु

गभीरीयेपिविमितेपिठवयंठजितःभूते॥वि

समः धर्मभूपिसेनतेपदतेपिठजितःभान

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः
उषाधुमपि
लेकिकेपठे
गधुमिउपिः

म

इमहपिधुमेमनिहःभुभा ३ ठज

नंनभिमंवकुंडमउरमिवरकिःमि

कुमुयइनठवविचिकल्दंभुतिःभ

यभा॥भंवकुंडंभंभरलीलमिममिह

ममिहठवःभुयमितिभमकुमुवम

पिधुनेन॥७॥ठजविहउकउपिउ

वभाउकलेगपि हृष्टवउगविह

भीहृष्टमममिठिः॥उवविहउक

उपिउपकउएउपहृष्टमभुमंभ

भउकवउठजहृष्टवभुउठिक

भउपःपमभनहृष्टपुंलठउएव

मुउएवभमनिठमिनीउभीहृष्टम

ॐ भूमिनिगमभुविदुः ॥०॥॥ सुः
 णपिविभनठडिभउंठेगायकल्ड
 येभंभुयदुभवेवभंविदुसुडिदुभ
 यी॥ वेभनभंविदुःणपिदुःणक
 रिष्टपिठेगायेडिदुःणसुमभदुदु
 सुभदुदुडभनननपनभुभुपमवि
 डयेडउतवद भवेवभंविदुडिमजिदे
 धंभुयदुपभनननपनड सुडिदु
 भयीपभमजिदुध ०० यउउउधनदु
 नंठजुनंठदिगुवे निष्टएडुधुःभ
 नभभभुभुभुभुभुभु॥ यउउउडिभु
 णपदुःणपउडेडुडमिदुधेउपनदुन

275

उ.
 टी.
 ०३३

भवभुडनंठजुनंठिष्टएभउविमिड
 वभन कलधमुदुडुधभभुभुयड
 डुधुपभभुविदुडुनभभुभुभुभु
 उडुभंभवउडुभउडुभ भवेवभुवि
 मिधउडडि॥ ०३॥ उवेमठजुनयं
 डेहंमंभुयभंभुयभु, विलधभुभुय
 डेहंभुयभंभुयभु॥ उवभयंभु
 पुणएउयंयठजिभेवउधुडुयभं
 सुयंठमभंभुयंठमभभुडुडेहंमंमीन
 उलेमभपिविलधभुडुणकैमिम
 वेठमविगलनभभुभुविदुलभभभुभु
 यभयभभभभभंभुयःभुधुपभभुभु

274.
३.
ली.
०३३

यतिमभकुचति॥ मैत्रंमभिरुयभ
मयः, कुउठज, कुउठज, सुमिवभूति
कुवेवकिनुकुउठजिभूतःमभवेम
भयी, कुउठजिभूतस, कुमिव, कुकु
भयी॥ ०३॥ कुउथीउममिठिवर
उवेवकिठिवर, निधुडिमुद्रिवभूकं
ठज्जंरंहुंउर एमे॥ उीउममःम
भूमभुयेयउठउभुउठिवःठिवर
नभउउठेउर एउठेउठुवठिनउवभु
उः, ठज्जंरंउठमेकभद्रिगीयंभुउ
हुनिधुडिमुद्रिउमिउरंर एमेमी
भुमे॥ ०४॥ भवभभनगगमिनि

यभुग

मभेठजिभंल्लिकभुलमीनउउमभनकवठवेग

धकविभलेभनः, यभुभेठजिभंल्लि
कउलमीनःकवठवेग॥ यभुठजिभ
उभनभभनयेगगमीनंमनिधु
किनिभुभेभमनंमगुगीएकुलउ
धमनंउनकेउनभनःभुउंविभनभ
कुलकुभा॥ ०५॥ गगभुभनकुउ
पियभंठजिडिभएउः, उभंभकी
यभभगुकउभहुनमलिनः॥ भकी
यभभमिठिगंयभुनेयभमयः, मभह
भिकुंहुनिनंठज्जंरंम, ठज्जंरंम
गकुभनकुउभएयडिमेभः॥ ०६॥
यभुठजिभुयभनपनमिठिपिभ
यनभ

पूठयभ

99

99

273

३.
ए.
१३५

नंवधः भूकट्याडि, उमेउमहेह सुयंय
 सयेनभूकट्याडि यमपुंठवडि उम
 दुमेवडि सुदुपकट्याडिः भूउदुदुठ
 यंयययभि नउउधुभंयुयुयः
 भूठवडि ॥१०॥ भूकट्याडि नउउधुभंयुयुयः
 वउउधुभंयुयुयः, ठुठिभउउधुभंयुयुयः
 भवभभिभुयभयः ठुठिभउउधुभंयुयुयः
 सुदुयभंउधंभवउउधुभंयुयुयः उठि
 भवउउधुभंयुयुयः ॥११॥ सुभिउठि
 एगउउधुभंयुयुयः भूठिभउउधुभंयुयुयः
 कसनठलभउउधुभंयुयुयः उठिभउउधुभंयुयुयः
 भिउठिभउउधुभंयुयुयः उठिभउउधुभंयुयुयः

272
 भ
 उ.
 ल.
 ११५

उभउययुपिठिभउउधुभंयुयुयः
 गदुडि, उमपिभउउधुभंयुयुयः
 भूकट्याडि, यमपुंठवडि ११ उठिभउउधुभंयुयुयः
 यंयययभि नउउधुभंयुयुयः, ठुठिभउउधुभंयुयुयः
 भूठवडि ॥१०॥ भूकट्याडि नउउधुभंयुयुयः
 वउउधुभंयुयुयः, ठुठिभउउधुभंयुयुयः
 भवभभिभुयभयः ठुठिभउउधुभंयुयुयः
 सुदुयभंउधंभवउउधुभंयुयुयः उठि
 भवउउधुभंयुयुयः ॥११॥ सुभिउठि
 एगउउधुभंयुयुयः भूठिभउउधुभंयुयुयः
 कसनठलभउउधुभंयुयुयः उठिभउउधुभंयुयुयः
 भिउठिभउउधुभंयुयुयः उठिभउउधुभंयुयुयः

३.
सं.
०९०

270

मृगमसिधुमिवमिदुस्ववज्रभुभि
 मभविमभीडियवज्ज, कीमृष्टापा
 नमनभूमायनभभुज्जमभभुविमृय
 धान्नगदल्लनभुष्टमननकवलीक
 गद्वनभंकरेणभूमायननभूक्रेण
 भिद्धिमभमिन्नभनेणममभुगुज्जं
 धालिउमहवदुत्तं; उषमभभुंमभुक्तिं
 भुविमृययउदुपयसेयः सुठव
 यमिवय; उषवभूलयेइवेनभभु
 भुडिउमंकरणभपिमंकरणइ
 दुमेयेनभभठमयभडिसयंभुगु, उष
 धान्ननभगदल्लन; मननधमिभुमिक्क
 भयवभु

वदिः

मंदरल्लनमिदुभहउडिक्कनभयनेभंहु
 ककवलितेभभभुंमभुगः

ठकल्लभूमायनेउमवमिधुमंभुगमे
 धमपिविसंयय; उषवविमृष्टभूलये
 इवेभभठमयभभुगयवदुवमेणपि
 गद्वः धान्ननभंभभुगमनेनभुगः
 भूमायननभुगल्लउकवल्लनभभुज्जंमिध
 ठेगपरीठउंमभुगभुंमइवेवमिभुंम
 मभुंमभदिंसउडुभयंविमृयय, भूलये
 इवेकल्लिउमंकरणधमभूलीनउकर
 डीउयंभभठमयभूदुगयभुगल्ल
 नमदुपिधनमवमभभुनभभुज्जंमं
 ठेगुउंनीउंमभभुंविठवउंविमृयय
 भुगदभभूक्रेणलयेइवेउठयन

३.
 ६१.
 ०३७

269

उ.
ली.
०३३

मिहमनाठडिउषाउनेवभूकवनाठम
 भानंभरुदुताभूकसमभगभीहुउडग
 एवभद्रहभद्रुल्यःभूकसमैवभनुभी
 एठःभूकसाएवभिश्रुद्रःअपरद्र
 ठिगिडिभ्रुह^वठडिभूकसाएवठगव
 चममिवमिडुपेठमीहउडडिमिवभा ३.
 डडिपसात्रेमुनभभेडुसमुडेविवडिः ७
 डिमुकेकेपिएएडेभभ्रुःअएभके
 डूरःयडेभउरभभ्रुमभभ्रुएपिम
 हलभा॥अथडहठवभाकिःभ्रु
 मुगचमभयःकेपीडिभभवेसाद्रअए
 भकेडूरएएडि यडःअएभकेडूर

268

३.
ए.
०३७

[illegible]

एवविश्वव इमयः मित्रेह प्रसादमभट
 भरेठउ नं ममैव भि, उम उमुव नर
 भाएवपीयधर भभुन ममैध भजनभ
 भि, उम उमुव नर भाएवपीयधरभ
 भुन ममैध भजनभ भि ॥ ५ ॥ यमु
 नरभुपदुते नमकलक्रमः पूठे प्रए
 इभेरिय उमुः कडुग भुधुधः धरभा
 नमकलक्रमः डिभपिभभवडा न
 भि, मुभीमभवेमविमूह इरिय उ
 मुः सुठइध भुधुभवेम उमुहएवपरं
 कडुगेनह ॥ ७ ॥ इरुमीन मपीम
 मुडमभेरुगुठ गिरः, येधं भुपेपिभे

267

उ.
 टी.
 ०५.

कपिभिउमुहु एनेइवः ॥ निभभभ
 भकसुभभवेमम लिठ मुक्रमी
 न मपीम भुड डिरेभुवेडडा नड भुव
 मः भेरुगुठ गिरः उ नक्रम भनिठ
 इइवभुधुलीयः भुपेपिभेरुपीडि
 नकवलं एगुडियवडुध भुधुधुयेगिडि
 भुभेमिउ भुधुधुनेइव भुधुभवेम
 इमयः ॥ १ ॥ एधउं एगुडं भुडं ए
 यडं नमकवलभा, ठउ नं ठवमहम
 भेरियवडुम उम ॥ एधएन मिपम
 उवमी सुभप्रएधरः ठवति ठउः भुव
 भुमैवइइइइइ विधुः ॥ ३ ॥ ठवडु

एव

266
मंग
३०
ए०
०२०

8

ठवडुएभयभङ्गभभुगभुपिनेभभ भू
 याडुकलःभकलेधनतेपीयमऊय॥
 ठवडुएभयेयभुभङ्गभुनउडुगडेनयभ
 भुगेभुनभुपिनेनिचउभभकलेनि
 उवमेभेनतेनिगविःकलःभूयडिमी
 यमऊयेनडुहग ०९ ठवडुएभउभ
 ठेगलभएउविठे विवत्तडभत्रमिनं
 भममकलडंभभा॥ यावडुवडुवडुए
 भउवभभभुगेभयभूभुते उवडुव
 मपिकभपिकुंडडुभकलीयडुभेववत्त
 डभा उडुडुभभभभमनकलेनमभ
 मकलड॥ ०९ ॥ एगडिलयभभ

उभुयैकरभनिडुव, डुमवेडुंभकडु
 नभजवभीयभवम॥ एगडेविभभ
 विलयेनभंकरएउयः भुयभय
 एकेभभुननिडुवपिभल्लडुभुडुडु
 भवभकडुनविभभपकंभमजवक
 भभीयभुयभा ०८ भुमेभवभन
 गूडि,विभुभभगलंभम, भनेनिवहुते
 ठडेःभुभुभएविपिडव, उवभएवि
 पिठडेःभुभुभभडुभभभंभमभनेनि
 वेहुतेडुएवभुते, कीभुका, भुमेभय
 वभनडुनेगूडुयेववभुभंविभुमेन
 विमलनेनभगलंभभुभा डुडुभभा

265

उ.
 ए.
 ०३९

पत्र

ॐ: के ए लि भा ०५ अयि धुये व विधय
 निभा कृत्वा व डयः, ठज नं भूधय डिड
 इर उ म भा ड भव भा ॥ ५ भा कृत्वा व ड
 ये पि म कृत्वा मि मे हे विधय कृत्वा मी
 नयि धुये व कृत्वा भूव भा धि र कृत्वा मि मे व ड
 मय कृत्वा ठज नं इ ड इर उ म भा ड
 भवं भूधय डि ०७ ठज नं ठजि भं वे ग
 भ के भू वि व स कृत्वा भा के हे नि व
 के डः भू ड इर भा ड भू न ड ॥ ठजि
 भं वे ग भ के भू ठ कृत्वा डि ड उ ए भू न वि व
 स कृत्वा भू ड लि ड कृत्वा इ ड इर भा ड भू
 न के हे नि व के ड व कृत्वा ॥ ०७

264
 ३.
 ए.
 ०२३

भू ड उं ड इर कृत्वा भू धा ध न भ के ड वः, ड
 इर भू कृत्वा भू ड डि के ड इर भू कृत्वा
 भा ॥ इर कृत्वा भू ड डि के ड इर भू कृत्वा
 डि ड इर भू धा ध न भ के ड वः की म कृत्वा
 इर भू कृत्वा मि म न कृत्वा इर भू कृत्वा
 इर भू कृत्वा भू ड डि के ड इर भू कृत्वा
 ल डं य ड ड भा ०३ अयि धुये म भा
 स न भू डि कृत्वा कृत्वा भा ठ व ड इर
 भा ड धा ध न भू कृत्वा भू कृत्वा भा ॥ ५
 डि कृत्वा भू डि कृत्वा धा ध न कृत्वा भू कृत्वा
 ये ठ व ड इर भा ड धा ध न भू कृत्वा भू कृत्वा
 धा ध न कृत्वा कृत्वा भू कृत्वा भू कृत्वा

४ ३

भुंभयभाननभनदुयभभा. सुभापि
 भनः पदुभनगीभुदुयभनभुम ९७
 सुभुतावठनंठवदुयभनभुमः।
 उमैवयभभुदुयभभाभुमयतिउ॥
 भुभुदुयभुभुदुयभभाभुदुयमि
 मभि, यउभुउठनंठवदुयभनभुम
 एयंभनभुमः उयदिउमैवयभ
 भयव, भभुदुयभभाभनभुमउठ
 नभुभनयति १० यववलयभुदुय
 एभुयभुमभनभुमः उववभुमिउ
 भवैवैविभुयभभनः॥ लैवैवी
 उववभुमभुम लैवैवैविभुम

263

३०
 टी.
 ०२२

भुयवैवठनभनभुम यउभुदुयभनः
 भभनभननः भैवयभभाभिकीभ
 यभंयउ १० ठनंविभयवैभन
 भयभभुनैवभ, सुयभुमिभुदुय
 भभुतिः ययभुययउ॥ ययभुभभा
 वमकलभ एनभियउंविनभिभु
 भुभुदुयभुदुयभुतिः भैवैवैवि
 यठनंययउठनभ विभयं
 नभुभययविलेयनमीनभवैव
 ठभभनभुदुयभभाभनभुम
 विनैवउठनभेनभुमः ११ ययभ
 भुदुयभंययभभुमिभुदुयभ क

वलंविमग्नेउठवद्रुभमेकः॥५॥
 मिवाङ्कभभुपंलठमुजंभूपली
 यंमुलठवचकिद्रिमभि, ^{भव}युभैवकी
 वञ्जकेवलभभूयेएनभेवविमग्नि॥ १३
 मदेठिठिठिमग्नेउभंवरमुद्रयिज्ञा
 यः॥५॥विधिःकेपियेनयमुकलद्रि
 उः॥५॥उमग्नेउभुंउभभेवयेवरमभ
 पिङ्गंनकिद्रनयग्नेउकेपीठलेकि
 कः १२ कनमेठनकेलमःकभभा
 द्विउवपा, केवग्नेउःकेयभभद्र
 वेयमञ्जु॥५॥केपीडिमिद्रभभेसुरे
 यमञ्जु॥५॥भमेठमीधिवभवेवेकुः

एवभट्ट केवग्नेउडिभान्द्रवेषु
 वठलठलपासुपडमिभेउडिमा
 यिनः५॥भान्द्रभान्द्रविमग्निभल
 उभयभुभेउभुलठग १५ मुउर
 लभमग्नेउठिपीयभयेधितभ ८
 वद्रुयेथयेगायमगीभिमभभुमे॥ मुउःभंविद्र
 उल्लभउमुग्नेउविमग्निभुडिभभुमे
 ठिपीयभेभभवेसभउयेधितं
 पाउउउभुभिवकलिकठपल्लन
 मीभभान्द्रकलभयीउडिमिद्रमगी
 गंठवद्रुयेथयेगायभुभभवेसभ
 विद्रुभपिडयेवमिद्रनन्धनत्रभुवि

262

उ.
 ए.
 ०२५

धदिंसतेपिडुनं केरेरेसमहलभा
 केपीडिमभवेसमानिभमेरेसुभाविडि
 शुभनिभुविडः धदिंसतेपीडिरेक
 सुयलंउदुवेउदुहानंउदुनंके
 ठडडिभंविमयिभेधवेधभुभा ३०॥
 नभभुहेविठयेधं ठडिपीयधवभिल
 प्रहृहेवठवडिउदुएपकरलहपि॥
 उदुएकभपकरलविठभभमीनियधं
 ठडिपीयधवभिलभभवेसभउरभ
 नकेउरप्रहृनिठवडिउरभभवेन
 भिवडिठिठेः प्रहृदएयउउहेपि
 नभः ३० प्रहृभुविठेपुडभभुय

यंडुमदुभाभुहेवपरेठडभति
 केकेनउमिडभरेभनरुय
 मेमिमिदकडुपकरलपडहंमि
 वेडुठडिभुहभभहंउरभभुय
 भुहडमिडयिडभरेमिमययिध
 डकप्रएभुविरहडुयभेवभयभेव
 मयभुभेडिभुहठडिभकडमिबीडु
 यठडःभुहेवपरेप्रठडुपनभति
 नवडुउ ११ रहृनठमिरेहृलैः
 केमिडुएभकेडुवेभुयभवेनभकल
 एगडीभंविठहृउ॥उहृलैमिडिभ
 कविकभयडुमीठिगीयभडुउभ

260

३.
 ए.
 ०३१

के

के

३.
ली.
०५३

[illegible]

ठङ्कनमभउभुमदरनमुमुभउल्लभेगूदुगू
दकविप्रवेपिः

एवकेठेहकलउउतावल्दवेपथेदय
ठिभउमपिठङ्कनंमिमनकठिहमि

उवेहङ्कः उमुङ्कभा गूदुभुव/डवपिउ

कुठवडडि यममेवडनंकीरभभमुके

ठमभाउभुभुयय/उल्लभः मुहपि

प्रहभयभुप्रहभुनगरएङ्गेकभुने

इभुयेविकेपमुककपककभःभा

वकेठः ३२ प्रहकेमनभहउपेठंक

भकुपाभिव भुयययपिकुभभंयय

हुउमुयथय॥ यमकभपेवगठीभुम

हुउंप्रययडिउमकेमिठुलकड्डिः

प्रहभहउतिमिचिउति यमकेमिमेवभ

मङ्कनगङ्गेः
५४

उ.
ए.
०२७

ययययपिके,भाउययडिसायीरभंभ
उयभुभुंप्रहमेवकभपेवभउमुयः

भउययडिपिवडिभहएवमभकुवती

हुङ्कः ३१ ठङ्कनमभविडेयेभुमभं

भयभभउः/उपनीयकिभभउः५४

उजभकेडुवभा॥ मुहविडेपडडिउ

भुभेलेकेभभगडेनभभउः किभपी

हुलेकिहभनकभुपनीयभुपयठङ्क

नंकुगलसीमडभुभभभविभुनभा

मुजभकेडुवंप्रलभुपविमुडिं५४

डि, उमभभमेव, भुहभभभभुडिउभभ

भकठेमेमपकमुड हुङ्ककेपविवउन

दृवि
ले

विगठिते सुभूभा उवा मगा। वद्विडक
विकल्पमेव विरफं कुतेन मृदये। भयं
भयभदे पिवति एगति स्रष्टु भुत
वभा उति ५३ ठजिमे ठवममीमभ
इकुते जने डयि मिरे मृदये नेयवमी
नडा यः परं ठलभा ॥ इयि स्रष्टु उय
मृजिमे ठवम मृभवे मवेव स्रष्टु मजनभ
मेभ स्रवि स्रष्टु जने उमिरे मृदु मृदं मृद
यने ठवति। नकं मिमीन उं ठलति मृद
भं ह्र उमक इ भुयानमेव नकवले भवे
याव इ इ उमीन डयली किहः भृक
याः परं भदति कभन मृदु पं विठव मि

255

दृ
उ.
ली.
०५.

ठल स्र पिठल कुं पं म प्रं ठलभा ५७
उपमग पं म प्रं म मिडु मृदु भये।
ठज नं ठव मे कृदु निच विभु मृदु मः ॥
कभं मिमिडि ठम निभु नं ठम भये
इमीयं पं म भु भु म प म पं भु रिप
कुग रयने पय म मृ भवे ठज नं उठव
मे कृदु पय निच उः म भु भवे विठमः
म उति विगीय भन पय भं लिडु ॥
मृभ मृदु पय ठज म म निगनले
विठम नल ठउ भु डि भुं इयि कभ पि
प्रयं भन गपी डि कउ ह्र ह्र म ठवे
भुठवयः भु रिप म भु यजः उमृदं

रु
:

कुं
सुग.

उभंललिउेदृदुउमिउमुभवमिमदु
 मभुमुयेनिपठएनभसुयः किलेडि
 युगेएउमेवयुएउउउः सुदभुव
 द्रुमेदुमभयउनेमुगमपउदुठव
 उ प्रएनभिडिवदुवमनेविमुडिभ
 गउभुवनय॥ २७॥ परिप्रलत्रिसु
 द्रुनिठजिमडिभिरलिम ठवदुए
 विपेनभभयननिठवउमे॥ ठवउमि
 नभभुप्रएविपेमुवमुकदयभम
 यंभभभयननिमदुगमीनिकर
 निपरिप्रलत्रिभुमिमेवीमरेल
 मभयनि,मुताएवमिमगीमिभयदुमु

दिनिङ्

दुनिठडि, भडि विष्णु ॥ ३० ॥ दुन डुके व' थ' ॥
 लि क' म' मि म' पि थ' स' व' व' भ' न' य' भ' ॥ ३१ ॥
 डुडिग' लि निठ भी म' सुव ठ व' डि ॥ ३२ ॥
 ड' भ' भ' व' म' म' वि भ' म' त' र' ॥ ॥ सु मे
 म' प्र' ए' भ' डु मे डु डु ए' क' म' लि ॥ ३३ ॥ सु मे
 र' ॥ ३४ ॥ सु क' पि ल' क' वि णु भू डे ॥ ॥ म
 जी न' भ' ल' म' भ' म' ग' मि ॥ ३५ ॥ सु मे
 मे भ' ॥ ३६ ॥ सु ए' न' वि मि ड' ॥ ३७ ॥ सु भि सु
 मि थ' म' वि सु जी न' भ' डु मे मे ठ' ग' ल' डु य'
 डु डु ए' क' म' लि ॥ ३८ ॥ मि म' न' क' प' न' श्री भ'
 डु न' ठ' र' व' भ' डु थ' वि सु डे क' र' ॥ ३९ ॥
 सु ग' मि म' डु सु डे क' पि भ' भ' वि डु

३.
 टी.
 ०५७

कि क' ल' क' मी मी पि वि णु भू डे भू व' डी डि
 भ' क' डु थ' वि थ' ल' सु सु भ' वि थ' क' स' व' डी
 लि ॥ ४० ॥ भ' नि भ' डु सु ल' म' डि ॥ ४१ ॥ सु मे
 म' थ' म' लि भ' न' म' डु व' वि क' लि म' सु डे,
 वि सु सु र' पि भ' डु डु म' सु मे य' सु ल' ह' मे ॥
 य' म' लि भ' भ' र' ल' ड' डु व' वि डि मि सु न' क' न'
 भ' वे ध' भ' डु वि सु सु र' पि भ' म' मि व'
 मी न' भ' पि भ' भी सु सु मे भ' भ' वि सु मे
 ल' ह' मे नि ग' ल' ल' भ' डी वि य' मे ॥ ४५ ॥
 भ' म' भ' डु म' भ' डु सु ठ' व' सु सु थ' ठ' व' डः
 डु डु य' के भू म' सु सु ठ' व' सु सु भ' डे डु वः ॥
 भू डे ठ' वि थ' ए' मिः सु भू डः भू य' मिः

भुठवेविपिप्यएशुकपालमीनि, सुभ
 उभुठवेविकन्यकलिउभुमएभुडिध
 पाङ्कउउउयग ५ डिमभभुठवठ
 वधमभगीठहेमहमिहउः ठवडुए
 भकेडुवभुडिमुडुमयः ठवगिहमि
 क हृलेयपडुमी ३० कभरेणठ
 भनेभुभुपदगीठउः भमयेजयडि
 नभभुठभुभंउभुमिउउउः भवमिउ
 वीगीचं कभमिठिः श्रीकण्ठभभवे
 धमनभ ॥ उधदगीठउचिमहउये
 वदिउभुडुभुभुमिउडि भकभक
 ठयकेयकुकेयः भमभभियुउठठिण
 नउ

254

उ.
 ली.
 ०१३

नवमसीभमककभगेतिभयभुडेभुइयं
 मेकेमभुगीयः भं सुमभवभनगु
 डिउठमिकभुपिभुउठभा लेकवरु
 वठभनिलनिलेभुभुभिवेवएगहवे
 मकउ धनमनः भभल्लभउ नक
 पिगडेहमयभुवगु ७ सुभइमेकन
 भडि उठयभभभल्लभमयभुभुगिः
 श्रीविम्वउभेवभुभमः एवभदेभुपि
 भुइभुवंभुयंठकवमिउभभिउभुभुठि
 वेदुएउमिहलभा. भउहेवउभग
 भः ॥ २१ ॥ एयेभठवकुठिठयंपह
 विपिः पः यभुलैः क्रियभल्लिपिगुं
 वेधकलउ ॥

५५५

[illegible]

252

कृष्णं पुनरुक्तवस्तुपुनः सुखद
 भङ्गनिधितुपंवेमिउभक्तुमधिमेतेय
 त्रैववेति, भभवेसपारकुरुकुरु
 निरुक्तुमधियमिमेककुंनठएते उक्तु
 उभिहृपादिभिमीडिगमिडिमभवे
 सभक्तुमभलठभानभुतभुतयभक्तिः ७
 ठवभयभङ्गनिवभलभुमभक्तु
 मिउयभक्तुः नैवेएनभुक्तुमभक्तु
 एभुमभेकउयभुक्तुमभक्ति॥ ठवभि
 कुरुपः भुक्तुंभुक्तुभुक्तुभुक्तुभुक्तु
 वभेनविभुक्तुलेभुक्तुमभक्तु
 नभक्तुडिभुक्तुभुक्तुभुक्तुभुक्तु

७.
अ.
ली.
०५५

नमस्तस्मै यथा मदीयेन, उवाचुः तेषां
 यैरेतानां भुक्तमभिनायेकं तेषां
 सुतेतिभिर्हृत्तवका, नयेकः अथ
 पश्चात्तु तमकं नमि ॥ ५ ॥ भक्तवत्सल
 कनिवामभुक्तेषुतः पश्चात्तु तमलि
 कः, उवाचुः तेषां भुक्तमभिनायेकं
 नमस्तस्मै यथा मदीयेन ॥ भक्तवत्सल
 उपमिडेभुक्तेषुतः पश्चात्तु तमलि
 पुनस्तमभुक्तेषुतः पश्चात्तु तमलि
 कः, उवाचुः तेषां भुक्तमभिनायेकं
 पुनस्तमभुक्तेषुतः पश्चात्तु तमलि
 कः, उवाचुः तेषां भुक्तमभिनायेकं
 पुनस्तमभुक्तेषुतः पश्चात्तु तमलि
 कः, उवाचुः तेषां भुक्तमभिनायेकं

धयेतुमेतत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त
 मिडित्तमत्तु तमिडित्तमत्तु, यथा
 तमस्तननमस्तमयः शुभा ॥ १ ॥ भुक्त

५५

३.
 टी.
 ०५०

इयिभूते, उपयत्तुपयतिमनिसंभम
 वभुनिविठतुभचम॥ भचमभमभ
 निमंनिचिगभं हवकगविभयभुतुम
 इयिमिदू, पेभुदंभुगतिभडिभचलि
 वभुनिउपयतिपुपयतिमभलुभा
 ननिमंद्रियभ॥ निमभुगत्तु, इम
 विभुदंभमठवभनभंकरु, इमिहः
 उपयत्तुपयतिमेडिप० सुगभुतेपि
 मद्र॥ भूडिविभुवद्विनीयभानाएव
 नउभुवभुडिंभनगापिठएभानठतु
 ३० टी० ५डिहएयभा, माएवउ, उडुतेविनभु
 ०५१ उडुलेकवहुषाठति, उषाठतिडुडिव

येष्टभा॥ १॥ भउमेवउवेवभुगवभु
 गकिडेविमगेयभकंडुय, कलवेष्टम
 भाभठवेडुभनविष्टयचयइठवकयः
 उवेवभभुविनिभुगभकंसजे, पकेविम
 रेयंभा उभभवेसमालीभं, सुषवउ
 यविगकिउडिमाभुवभभवेसभयः
 सुषवठवकयडिडुडु, योविभुभुठवे
 यइनविष्टये नभवेडुडे, वउउ, भक
 लवेपिभभकुमिडुडेउभगीउमय
 मसंभभपरमउडि नउविउडे॥ ३ ॥
 ठवकडुपविभुवडुमीडभाउभुगडुडिभ
 भउडेपि, ठवकज्जभभदेकठउ, सुरेभं
 भाभभरेउरेमगति॥ उवठउः ठवकज्ज

259

३.
ए.
०५३

[illegible]

248

३.
ए.
०५७

५१३

उमेकमुठिभनेकुमयमेवविस्मभाङ्ग
 कुदभिहङ्गः ०० निवभचरभाभाउ
 विभेष्टवमज्जविपिभाउभयमिउः
 भकलंएनवउभमयेयभयचउ
 वकिहङ्गपि॥ सुफेठवमज्जविपिभा
 इभयमिउसुभङ्गःभचरभाभाउवि
 भष्टेमिमननपनभभमुउविभभ
 कलंएनवउलेकमेष्टिउंसुमयेयभा
 कीरुचउःभचष्टेवभष्टकिहङ्ग
 लेकिरुभननसुपुभठीभुंभयव
 भूमयन॥ ००॥ ठवमीयभिकभि
 वमुउउंविवगीउंकउवउपउभङ्ग, ५

ममेवकिनभमुपमेधुमुभभउंकरउंक
 विभियभङ्ग॥ ५कएगडियवकिहङ्ग
 सुमुउउंवेठवमीयंडकिहङ्गउिउपमिउि
 एउंमेभिहङ्गमुउउंउंविवगीउंक
 उवठकिभचउंनकमिउ यउयवसु
 यभउकिमगयिउंभुभभउउवसु
 सुपभविमगभुमीयभिममेव,भा
 भउभठवभउठवभिमुंनभमुपमेधु
 मिभफेसुगउहमिनभमिमुंनउपंभ
 चभाभिभंकरमिकगिनीमेधु सुमि
 गुफउउवसुउउउउमियनःउउ
 यभमेवभुगिउंउउउउमभावेसवेस

297

उ.
 ली.
 ०५७
 ०५.

धामनेनविभृउविमपत्रभृकंथमय
 डि युक्तंमैउग यउभृदरतीडिदिनेत्रक
 नभ ०३ मत्रयेनधायलिधुडभन
 गृडिभभृउभमभृउःभृः भेकभन
 ललपिनऊनभदउकृमयकगि :
 प्रः॥ ठकभभृउभमयउउधुडभ
 भुविभयेमत्रयेदुःपनिचउयेयभ
 पलिधुडठेगभृकभभनगपिन
 भि, ठकभभृउभमभृउःभृः प्र
 डिभभृउभृगुभेकभन लल
 धुडनभभदउ, कीममभृउकृमय
 कगिलिभायभृभृउंमभयउः, ॥

[illegible]

८५

भनः पदुभक्तवलयसेरियरभभुव/
 इयेहपगः भवउमिधिलरउयसुस
 लामपियभुभक्तिपेनभेभुधल
 शिनंइंमिदुपंभुधुमठ सुमिधिल
 मीउसुडमेकडेनइडमेववभुभुवः
 सुडवेणपुपः कसमिडिभुडदेवभुवि
 भयः ०१ नमविठिभभभुउकिडि
 मभुभभुपेउउरुनिडिउभा, सुभमदुः
 गियमठमिभभयभभभविभयय
 भभभेभुउ॥ सुमिभनभेडयनमनेवठि
 वंकिडिभभभुउभाभुनभुभुभुडेवि
 ठिउंकिडिउ, सुभमभेभुभभयभुम

उ.
 सु.
 ०२९

इभानडेनमिदुयडुमुभभभुवः सुभ
 मभुपेउउरुः गयडुधकिडिउनिडिउ
 भा उऊमेवदेउः किडिमुभभुदेष्टः
 सुभमेवभयमेवदुः गियमठिउंम, सु
 पिउवमभुउः डुमेकडुभुठिठिउ
 मेव, एवंमभभविभययभभुभभ
 उसुडकुभेउउहंभेभु ०३ गयनि
 भयपयभभभुउभरलेमुलिउपेउवि
 कलभलभुभे, मलिउदुलयभंमय
 वेभिलभुभवलिभभभुनिउउभा
 गयविभभयनिभेपयभभुभभ
 डिमगीउभुभभभुउउरुदुयपीयभ

यद्वा नं उने मुलि उभृद्वा वि उभडा वये
 उं वि कल्म भलं य भु उ भु उ म म लि उ मु लि
 उं क ल य भं म यार व वे गी रि भु द न ड म म :
 भं डे भ म ड म र ले क नं मि मु न ड म ड म ड म
 नं नि ग ड उं प न म भु ॥ ०७ ॥ भु ड म
 वि म म म म वि म यं म ड उं न म ठ व ड म
 भि य भ ड म ग ठ मे न व भु व व म म ड म
 र म म डि ग ड म म म ज ये य म ॥ क न म
 डं ड व ड डं भु क डं न ड न ड पु फि ड ड न
 म म वि म म म न ड ग मे वं वि ये ड यि म
 डु प ड ड म म डे मि म म कं ठ व डं म ड ड म
 वि म यं ग म ठ व भु भु न मी कं भु व डि

244

उ.
 टी.
 ७३

नि ये गे लि म य भु मि डि एवं भ डि थ
 र म म डि ग डे डि नि क डं भु भु भु व व ठ
 मे न ड ड य म म ड ड भु भु भु डि कं भु भु पं म
 भु ग ज ये यं म म वि म य मि डि य व ड ३०
 डु यि न मु डि म डि ग भि भु क भु भु म व भु
 व य डे डि भु क गे मि म ड डं भु न ग डि उं म
 भे ड ड म वि म डि वि नि क य य मी म म
 क भु पी डि ड डे पं ड ड ड ड ड पि ठ ड
 भ य डे न मि मु न प र म भु भु भु थ भु ड डि
 ड ड ड म डि भु क ग ड डि मि क न ड य
 न भु ड डु प ड ड डि भु क नी ये ड ड य ड
 गी म डे य भु भु भु नं भु ड डि म न डि ड

३०

245

253

[illegible]

किललहभा, सुसुमेधनरभेनिलु
 इतइमेवप्यएमेपरभाभुभा, इमिडि
 इतः सुइतः भवकैक सुयुडिलविम
 लहभा सुसुडिमरसुपनिठलनपू
 वल सुमभधनः पंगलहभाभुभा इमे
 वनिल सुइ सुसुपुंनप्यएमेवइतम
 भयेनभूकसमेडडियवत॥ ३॥ इत
 कइभयमिडुधरइ भवसैधधरभेस
 राव सुइधभुनियिलिधुपमकैसु
 धनभनठवेडिधउहउ॥ भववभुध
 मिडुधइतदियइ धरभेसुसुइतव
 भवसभवेभूकैइतुमंसापिधु

27

242

3.
ली.
००५

ननवधः सुपुं धरु श्रीति मभुसुता
 धडि भुगुपः नवविमिरु कदक
 २७ नं नन मेम सुपु धरु वभुनं क
 धमेक सुगुड मभुसुता डडरु, लधर
 सुधुटस धन न भव मं ह्वरु वरु किभ
 डडरु कदक र सुपु धरु कं भु क मभ
 यडं विन क सु ध मिहः सुवे स ड डरु
 दभा ३ विधभाति धन न डले न
 सुगुडरु, सुठिलीय धन न मभम
 भुडरु यीगतिः ॥ विधभाति मं भगु डं
 भुगुडिय सुगु म डडरु कं कं सुपुः
 धन सुन मेठिलीय डले न डल ड सुम

यी डमेक सुपु गतिः धरु धरु सु. डडरु
 मेव डडरु गभन मिडिव ड डरु सुवे ये ए
 यिड धरु डे मिडिये ए भा सुठिलीले
 डिधरु सुगु मिमन क विरु मेडि डरु
 डडभा २ ठवरु मल मर मिडरु ड
 लडल डडरु कं मिडिः मिडु एन भा
 नभा नं विभय एन नी ए ड मभ ठर
 डः ठवरु डे मलः सुगु ये मर सुन रिया
 मिभगी मय सु ध मिडरु धनः धन डिठ
 लनं मेव मय मभ डडरु ड डल ड डरु
 लडरु मं भु ड डरु वे ममेठ क मभ म
 धन मिडि ड डरु ठवरु ड डरु म ड

सुठिलीये डडरुः

सुठिलीले

२४३

पीडुमरुमभूमिउपिभभवेमेकदिमी
 भूमिउपिभभवेमेकदिमी
 यति उ भसुभुकदकदेवपंभच
 लिभचम उवेधकडलननिकुडुदु
 पडुमे॥ उवेधकडलननिकुडुदु
 एवभविमुदुदुभभवेमभंभुग्गभ
 भूमिउपिभभवेमेकदिमी
 लिभचम उवेधकडलननिकुडुदु
 भुकदकदेवभनगुयभजभउध
 लडुदुदुभभवेमभंभुग्गभ
 नभभभूमिउपिभभवेमेकदिमी
 यः यवदुयभनभुपडुमेठिः पगिलुध
 उभा

३.
 ६.
 ०००

भभूमिउपिभभवेमेकदिमी
 भूमिउपिभभवेमेकदिमी
 यति उ भसुभुकदकदेवपंभच
 लिभचम उवेधकडलननिकुडुदु
 पडुमे॥ उवेधकडलननिकुडुदु
 एवभविमुदुदुभभवेमभंभुग्गभ
 भूमिउपिभभवेमेकदिमी
 लिभचम उवेधकडलननिकुडुदु
 भुकदकदेवभनगुयभजभउध
 लडुदुदुभभवेमभंभुग्गभ
 नभभभूमिउपिभभवेमेकदिमी
 यः यवदुयभनभुपडुमेठिः पगिलुध
 उभा

भवेम

भवेम

धतिनं डति ॥ भूमी मनुय भुति डिलेदि
 ऐम भुय मी चिमि भुं भूज नंग मय
 ३: यम लनी किलनी फि ड ह मेलेदि
 चमने क ह डिक ग ड तव भट्ट पि
 भुत हं भ मिनि भु भवे मे ग व सु ठ व डी
 डिले कि कि: भ भू एव ॥ ०० ॥ ड ड
 डि भु य भ भू न म भ भू डं म भ सु
 वि ठे य व मि भ भू ड ड नि: म भ भू
 व भ न: भू ॥ भ न भं मि डं भ भू भ
 भ ग: क ड ड: भ भू भू भू: प्र डि ड
 भ भ ग व भ न: क ड ड क व भ न: भू ड
 ड ड ड भू य भ व ड ड ड व फि नि भू ग डि ॥ ०१

239

३.
 ए.
 ०३

भे क म स यं ड डि भु यि क ड ड व भू य म
 नि धि न भ, ग ए डि ड ड ड ड भ भ वि थ य
 डि मि डि क भि क भ ए भ भ ॥ भे क म
 म भ भ भ मि व ड ए व भू क ड ड भू भू
 य ड य म न नै वे क ड भू भ भू म भू
 क भू क न व यं ड ड डि भ भू य मि ड
 डि भू भू डि क ड ड भू भू भू भू भू भू
 डि भू भू भू म डि भ भू व म भू यी पं ग मि
 डि भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू
 भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू
 भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू
 भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू
 भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू भू

238

भमवेमङ्ककथन्तमिदुपेकयतेमभय
 मिभमयः मिद्विलवभुल्लतेनवेभ
 भंभुः सुवलेपनेतिभंमिद्विलवेन
 सुभकलयभवलेपंजदऽडियावडा
 नत्रथभमेमनयेभयकनंमिदुपेक
 नउरंउकुठेगवद्विवंरुएमिदुभ
 येधुमिवडेवसूयडेउडिभइरुमिगिदु
 मइयुजिमफेलेभममिभमिथकम
 उरंकलउरेयेभेकभुमुडिभपिउडभ
 वेमानकभुप्रउःकभः सुहल्लः॥०४
 मभभुमेभुमीमउठगवनेडावमेवत्र
 यमेमउडिउवत्रमेयभुनउकमुमं

उ.
 ली.
 ०७

मुमेविधयः॥ तउवमिडिनउमि
 भमि,भुमीमउडिउडिउवनेभुप्रउ
 येभुमभु वृ भुल्लभुउडा कलं
 भमममिडिनडा मुमं मुमडिउडिउः
 ॥०५॥ ॥ इडुभभुडिभुप्रभभ
 लेभानमेउवधमभुएयुगभ,भभ
 कविकभमभुभमेवभुभुवमप्रकिभ
 भुडिलिकभ॥ ॥ धमभुएयुगं
 भुप्रउ विरुभडा केमभइमभुप्रउ
 भप्रधमभनत्रुपंभप्रदंभुडिलिक
 भले किकभ

237

3.
3.
07.

तिनमंरिदुवननमंहुडिभिउंरिनयनं
 रिमुलपवभा उधवीडीरुडिगेगिनभि
 दुकुलमोपववम् ॥ रिदुवनंभूयग
 हुडिचिमुभयीविहुडिभुयभिउंमभुम्
 भिग ॥ ववरेडुहुभिउमम् ॥ शी
 डमुहुनरियाएनिनयननियमुठ
 मेहुलनदेडेः भूहुलहुनपुपुहिमुल
 भुपवकुभा उधमभीपवीडीरुडः वि
 मेभलडडः रुड भुवगपीडः डधर
 दिः भएनिगडमुठमचनकुडिभउः रु
 डभंरुडमुठेगिनः भूधवयेन ॥ डलीवी
 गडीरुभुमभूयेगः डकुलविमुली

भातः

236

[illegible]

235

3.
ली.
०१९

यस्येता ॐ भूभरुप्यपिउभुपमनेधुभूत
धरभुपायभुपेभि॥ मभवेसभठरेलए
गङ्गीरुहेतपसुउयभक्तिः उवभकेसुग
उयःविस्वभूतुडयःपाधुडावेपदेवा
हमिगंकीतिउं,यसैउमिडिभूतस्ररुभा
ॐ भूभरुप्यपिउभुपयैवमभवेधुपम
नेधुभूतकमभुभमीयपल्लविपदुडभु
मरिउभुभभूतभुयमेवपरिचलभुपा
यंभुवलाभूभभुपेपिभूधेभिउभूभा
वेसाकुंमिहुलभभूभुडभुभकंयल्लविप
रुडकगीयउडवधंकीतिउमिहउः ॥
वकंरुठिउभूभः॥ २॥ इहूधिविस्ववतु

भिवियडिरीरुनेभडिउवनमकियातु
यत्रमभमभूतः॥ विस्ववतुंयडुभूभ
उमभभूतुगियडिविस्वइहभिवीडिउरीरुने
भडिउवकियातुयनिहल्लः भनमभ
भनतुपमेवमचःकीडि यभुमेयधि
संकीरु उभूयदुतावचनउडिभूभ
नभुभूभभयभूभयंरुति,भुभएव
नभेहभभूभभ ॥ १ ॥ रुभंभभूभगीभ
उरुगीदवल्लठेकरः,करीपिभभूभभ
किंगीदःपरभवल्लठः॥ भूभगःभव
भभूभनीयेगीदःपरभूभंमंजवल्लठः
भभूभनीयःभभुनभूभनःपरयभूभ

233

۷۳۲

यत्तु भव

भानपमंमकुपमवमकम।

232

उ.
ली.
०१५

पंठवहुधभा, उषाधिवयभीमानभी
ममःकृषभमुडभा ॥ भूयद्वृज्जवभि
उभेतिः प्रलेभष्टवभनेडिभंविद्व
मयभूमगविसूतिभ भीमभेष्टुडने
नठिदुयभदे ०३ ह्यनयेगमिनष्ट
भाभिवपेकिडभदडि, भूकमःअगि
भेवठवडुकिभडंभूडे ॥ भूडेकंभंमिहू
नयेगदियदुपयैठवडुगडि, ठज्जं
भनःअगि भूपायनेपेकिलंइडभा
वमदुभूडमदिभंमठवडुकमअठ
वःभमडियवम ०४ ठज्जंनंनड्ये
नभभूष्टनंअडुभुव, उषाधुभिमि

वडेउडिभभंनकिमुपे ॥ उउयःले
माःउष्टनंभूभुठिलभंविमिडनं, उव
भूडनडिभूडुयभूडनः उषाधीडि
डुडुगंवेवकिभपीडिधरभनकेकडुह
ह्यनंनिविमिडंमा ॥ ०५ ॥ भवठभवठ
भेयेविभज्जवलिडेपिलभा, भूकभडकि
डिभुंमिडंरियमकिभीमड ॥ भूकभडम
पिलमिडियःभवठभवठभःभम
विभेष्टभूकमःकीमका विभजेनधर
भानज्जमभूडनंवल्लिडेवंदिडः दि
यमकिभीमडभुंभीडिधचवड ॥
वडुडलडुवेमभमधिडुडुविष्टवः

गुमभान भुतेवरे मेव विमुठव मयभा
 मपि वरे मुविमुव ड डिभा भिभुडि क
 रिः भुभिमु सुभतं रुमु मय भुपिया
 वममेभा एतवः क इल्लु गुमभान भुम
 भुविभय नुडि भुव वतु ड डिभुडि य
 डः केमेव मेभ भुभा ड मिडु पे क्रीडमी
 ल ड डि विमुठव मय विमु गुमभान मील डम
 मय डु पंवे मे भुगुड ०१ भुते विन मभ
 भुवरे इगं निपिलं भा भा, एव भवे मुड
 न मडुय भं ड गली लय ॥ केन मभं ड
 गरीडय एव भवे मुड, भडु मिरे क डुप
 इ भुल्ल भिड भुठव डु मपि क भिवय

द्विदि इममिव भुडं भुभा मय वडी
 डुः यड भुते नपि क भुभा पि केनेव व
 ठ मभान भुविन मेन मभुव मिम डे
 व विगलि ड डेन भुडि डुव डि ॥ डुडं
 यडु ममिव पदु भिडु मि विन मे
 इडि भंयु ड भिडु भा उष कद ड म
 यिल्ली ड डे डु मि ॥ ०३ ॥ एत भडु भुप
 डि भुड एव डु भुव मठ डि पन नभा
 मभु मिडु भिपिल मुड मिडु रुडु डं भु
 डि मेड विणय डे ॥ भिडु ये गिठि मिडु य
 उम मडु मपिय डु डु पंठ डि पन नं ड
 उम डु भुप डि भुड एन मभन डु मेव म

231

३.
 टी.
 ०७

१८९

३.
६.
०११

निधाममद्गुणभुवंमभुविठिःभु
 मिडिचिमिडिः सुभनभुववैः कीरुका
 वेडलकलैः यमुहुमय, यदुहभुह
 येमयत्रवडिमडिमडिः नुडिडुहः य
 मिधिमिडिमिडुमयः १० सुगुठ
 वमठिउडिउभनयेन इकेनभममभु
 उनधदुमिमंकलंमृरुभमिपलभ
 वरुविभीधु॥ कुमिमभममममैली
 मजनमनदुःवयंमैकभुमपिह
 एयेड, सुभनमिममयभमवेमैडु
 दभुमजिन^३येन इकेनभमएनभंल
 हेलभुकुवेलमभुउवभुडिगगु।

उतभूकरोपदुमिभमभियलंकलं
 म्भविमलंरुभभठविभीधुभ
 धुयडा कुभधुविहृउरुधभा ऽति
 भिवंकुयडा ॥ १० ॥ ऽतिसूभुइवहं
 मचमुइविमविचडिः ॥ ॥ ॥
 ज्ञेसगिचनमयविकभयदुइरेभ
 लेविणभुयनिरंननतुयभभा मेड
 सुकेरमिडिमभगीमिमभमभमभ
 गभाडीकरुविमभउड ॥ सुडिथमभि
 उअतिसेलीपुनेडिठवउधंनिरुधम
 पगनमहापुंनेडिमउरुग ॥ ऽयमि
 डिविठेःमभेठरुधंनरमेधुने विदि

229

उ.
 सु.
 ०१३

उललिउहाएभठिःरुडरुएनडि
 उः"विमइयेधिविधमभमभभुयैःम
 सुभुमविवरलैःधुमिउवकीडिःउभ
 कुगेरठिनवद्वमेमभउःकभेधिरभ
 विचडिंहुउनेमभ ॥ ॥ ऽतिसूभफ
 भफेसुगमदसूभभुइलमेवमद
 विरमिडयंभुइवहंसूभभठिनवण
 धुमदवदधमपदेधलीविगएनक
 कभगएनविफिडमुयभुडिअतिवि
 चडिरियंमभभु ॥ भंवडा ७० ठवडि
 सुभरभुंधगडभुडिधकुंमभभीरुडा
 सुठमठवड ॥ सुभभुभुकरुगनयग
 धगुडुःसैकमउधडिंसडिः ७०..

विम

[Faint, illegible handwritten text]